नई दिल्ली । गुरुवार, 02 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :177/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल विंबलडनः माया जॉइंट ने संयम रखते हुए...
@ विचार आस्थ की चौखट पर असुरक्षा...
@ व्यापार वित्त मंत्री सीतारमण ने की फ्रांस दौरे की शुरूआत...

भारत पहुंचीं जापानी पीएम सनाए तकाईची

आज PM मोदी संग हिंद-प्रशांत और आर्थिक सुरक्षा पर होगी अहम वार्ता

भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में अहम कदम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाईची बुधवार देर शाम नई दिल्ली पहुंची। गुरुवार को उनकी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर बैठक होगी। दोनों नेता 16वें भारत-जापान सालाना सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे, जिसे मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के बीच बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत रवाना होने से पहले जापानी प्रधानमंत्री ने कहा था, 'अंतरराष्ट्रीय स्थिति तेजी से अनिश्चित होती जा रही है, ऐसे समय में जापान के साथ मौलिक मूल्यों और सामरिक हितों को साझा करने वाले भारत के साथ सहयोग पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस यात्रा के माध्यम से मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ आर्थिक सुरक्षा, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में ठोस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहती हूं। प्रधानमंत्री तकाईची ने भारत पहुंचते ही कहा कि जापान-भारत संबंधों को और मजबूत करना उनका मुख्य उद्देश्य है। यह दौरा फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा। जापानी पीएम के इस बयान को अमेरिकी सरकार के इस ताजे फैसले से जोड कर देखा जा रहा है जिसमें अमेरिकी सैन्य कमांड के लिए इंडो पैसिफिक क्षेत्र का नाम बदल कर सिर्फ पैसिफिक कमांड कर दिया गया है। जानकारों के मुताबिक, मोदी और तकाईची के बीच होने वाली बैठक में हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर खास तौर पर बात होगी। नई वैश्विक व्यवस्था में अमेरिकी नीति में जिस तरह से हिंद प्रशांत को लेकर अस्पष्टता दिख रही है उसको देखते हुए जापान व भारत की आपसी रणनीति क्या होगी, इस पर पूरी दुनिया की नजर होगी। गुरूवार को होने वाली शिखर वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इसमें जापान की तरफ से भारतीय बाजार में 10 अरब येन निवेश एक बड़ा एजेंडा होगा। बैठक में उन क्षेत्रों का चयन होगा जहां यह निवेश किया जाना है। दूसरा एजेंडा, समग्र आर्थिक साझेदारी समझौता (सीपा) को लेकर चल रही वार्ताओं की समीक्षा और आगे की दिशा होगी। साथ ही जापान की जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षित भारतीय कामगारों को भेजने पर भी बात होनी है। दोनों देशों के बीच पहले ही पांच वर्षों में पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों को जापान भेजने की सहमति बनी है। हालांकि अभी इसमें खास प्रगति नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं की तरफ से इस पर और बात होगी। सेमीकंडक्टर उद्योग व एआइ सहयोग दो अन्य क्षेत्र हैं जो भारत व जापान के संबंधों को दिशा देने वाले हैं। पिछले तीन-चार वर्षों में दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा, दुर्लभ खनिजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर मजबूत सहयोग का ढांचा तैयार किया है। आर्थिक सुरक्षा वार्ता नवंबर 2024 में टोक्यो में शुरू हुई थी जिसमें सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, फार्मास्यूटिकल्स, स्वच्छ ऊर्जा और आईसीटी को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया।

खामेनेई के जनाजे के लिए ईरान का न्योता, खरगे समेत कांग्रेस नेताओं को बुलावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

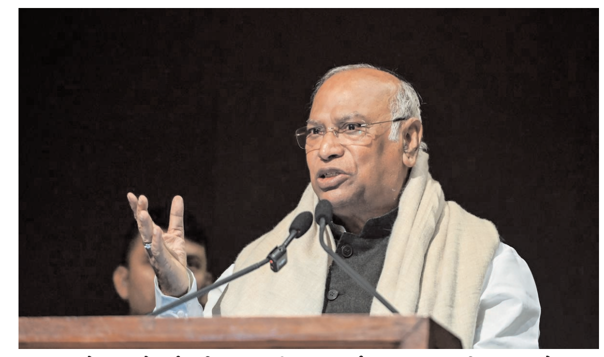

अमेरिका-इस्राइल के हमलों में जान गंवाने वाले ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को अंतिम विदाई दी जानी है। जुलाई में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार प्रस्तावित है। अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ईरान ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सलमान खुर्शीद और पवन खेड़ा को आमंत्रित किया है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी सामने आई है।

कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद ने कहा, 'कांग्रेस अध्यक्ष ईरान जाने वाले पार्टी प्रतिनिधिमंडल को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।' पिछले तीन दशक तक ईरान का नेतृत्व करने वाले अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इजरायल के बड़े हवाई हमलों के पहले दिन मौत हो गई थी।

इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया था। देश की तरफ से विदेश राज्यमंत्री इस कार्यक्रम में जाएंगे। बिहार के राज्यपाल भी इस समारोह में शामिल होंगे। अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम पांच से नौ जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।

अंतिम संस्कार समारोह पांच, छह और सात जुलाई को तेहरान और कौम में आयोजित होंगे। इसके बाद नौ जुलाई को मशहद शहर में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किए जाने का समारोह होगा। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन इन समारोहों में शामिल होंगे।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक करने में लगभग चार महीने की देरी की मुख्य वजह अमेरिका-इस्राइल से ईरान का लगातार जारी युद्ध, सुरक्षा चिंताएं, कूटनीतिक रणनीतियां और धार्मिक प्रतीकवाद रहे।

30 दिनों तक जेल में रहे तो जाएगी मंत्री की कुर्सी? मानसून सत्र में पेश हो सकता है बिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

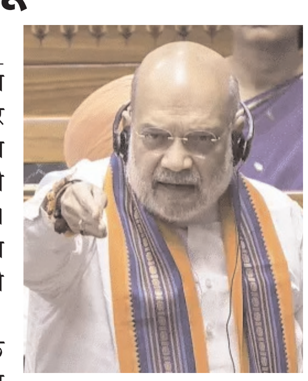

विवादित 130वें संविधान संशोधन विधेयक की पड़ताल कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को स्वीकृति दे सकती है। जिसके बाद सरकार इसे मानसून सत्र में संसद में पेश कर सकती है।

संकेत हैं कि यह विधेयक के सबसे विवादित प्रविधान को बनाए रखेगी, जिसके तहत गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और केंद्र या राज्य के मंत्रियों को गिरफ्तार होने एवं लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहने पर स्वतः पद से हटा दिया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, समिति की बुधवार को एक बैठक हुई और 17 जुलाई को फिर बुलाई गई है। विचार-विमर्श के दौरान कई नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं के बावजूद समिति द्वारा विवादित प्रावधान हटाने की सिफारिश करने की संभावना नहीं है।

हालांकि, रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय शामिल होने की उम्मीद है जिनका मकसद इस प्रविधान का राजनीतिक बदले या गलत मकसद से किए गए दुरुपयोग को रोकना होगा।

प्रस्तावित संशोधन ने तीखी राजनीतिक बहस शुरू कर दी है, जिसमें इसके समर्थकों का तर्क है कि इससे सार्वजनिक पदों पर जवाबदेही मजबूत होगी, जबकि आलोचकों ने चेतावनी दी है कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक मकसद से की गई जांच और गिरफ्तारियों के जरिये निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा सकता है।

सक्षिप्त खबर

विक्रम मिस्री अगले आदेश तक विदेश सचिव रहेंगे

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का कार्यकाल तय समय से एक साल आगे बढ़ा दिया गया है। यह जानकारी बुधवार को दी गई।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी विक्रम मिस्री के कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। उनका मौजूदा कार्यकाल 14 जुलाई 2026 को खत्म होना था, लेकिन अब वह अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। मिनिस्ट्री ऑफ पर्सनल, पब्लिक ग्रीवांसेज एंड पेंशन्स के तहत डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (डीओपीटी) की ओर से जारी यह ऑर्डर फंडामेंटल रूल 56(डी) के प्रोविजन्स को लागू करता है। विक्रम मिस्री एक अनुभवी राजनयिक हैं और उन्होंने भारत के लिए कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियां संभाली हैं। साल 2024 में विदेश सचिव बनने के बाद से वह भारत की विदेश नीति को दिशा देने वाली प्रमुख भूमिका में रहे हैं।

उनका कार्यकाल ऐसे समय में रहा है, जब दुनिया में कई बड़े बदलाव हो रहे हैं, जैसे पश्चिम एशिया और यूक्रेन में तनाव, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की बदलती स्थिति, ग्लोबल साउथ में भारत की बढ़ती भूमिका और चीन, पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ अहम मुद्दे। सूत्रों के अनुसार, यह कार्यकाल बढ़ाने का फैसला सरकार के मिस्री के नेतृत्व पर भरोसे और भारत की विदेश नीति में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत को देखते हुए लिया गया है। मिस्री ने पाकिस्तान, यूरोप और अमेरिका में भी काम किया है। वह म्यांमार और चीन में भारत के राजदूत भी रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिका, क्वाड देशों और यूरोपीय देशों के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। संकट के समय में भी उनकी भूमिका को काफी अहम माना गया है, जैसे संघर्ष वाले इलाकों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालना और रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोग बढ़ाना।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब भारत कई बड़े कूटनीतिक कार्यक्रमों की तैयारी कर रहा है, जिसमें ब्रिक्स की मौजूदा अध्यक्षता से जुड़े कार्यक्रम, जी20 से जुड़े संभावित कदम और कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें शामिल हैं।

WhatsApp के नए फीचर पर सरकार सख्त

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारत में व्हाट्सएप के प्रस्तावित 'यूजरनेम' फीचर को लेकर मेटा को औपचारिक नोटिस जारी किया है। सरकार ने मेटा से इस फीचर पर तीन दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण देने को कहा है और स्पष्ट निर्देश दिया है कि जब तक इस मामले पर सरकार के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक भारत में इस फीचर को लागू न किया जाए।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार को आशंका है कि व्हाट्सएप का नया यूजरनेम फीचर, यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना लागू किया गया, तो इसका दुरुपयोग फर्जी पहचान, प्रतिरूपण (इम्पर्सोनेशन), ऑनलाइन धोखाधड़ी और गलत सूचना फैलाने के लिए किया जा सकता है। इससे पहले भी सरकार ने इस फीचर को लेकर गंभीर चिंता जताई थी और मेटा को नोटिस जारी करने पर विचार कर रही थी। सूत्रों का कहना था कि यदि किसी नए फीचर के कारण धोखाधड़ी या साइबर अपराध की संभावनाएं बढ़ती हैं, तो संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय की जा सकती है।

व्हाट्सएप का यह नया फीचर उपयोगकर्ताओं को बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए परिवार, दोस्तों या कारोबारियों से जुड़ने की सुविधा देगा। इसके तहत यूजर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह एक यूनिक यूजरनेम चुन सकेंगे। मेटा का कहना है कि इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के फोन नंबर की गोपनीयता को सुरक्षित रखना है और किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए उसके सटीक यूजरनेम की आवश्यकता होगी।

हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मजबूत एंटी-अब्यूज सिस्टम नहीं बनाए गए तो यह सुविधा फर्जी प्रोफाइल, प्रतिरूपण और ऑनलाइन ठगी को बढ़ावा दे सकती है, जिससे भारत के करोड़ों उपयोगकर्ता प्रभावित हो सकते हैं।

गौरतलब है कि टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म लंबे समय से यूजर्स को फोन नंबर छिपाकर केवल यूजरनेम के माध्यम से संवाद करने की सुविधा देते रहे हैं।

महुआ मोइत्रा का भाजपा कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने का आरोप

एजेंसी ■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि वह अपने लोकसभा क्षेत्र में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रही थीं। इसी दौरान भाजपा समर्थक वहां पहुंच गए और बाहर से अंडे फेंकने लगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर कहा, 'पश्चिम बंगाल के डीजीपी मेरा फोन नहीं उठा रहे हैं। मैं अपने लोकसभा क्षेत्र के कार्यालय में बैठक कर रही थी। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के लोग पार्टी कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए। ये लोग खिड़की के जरिए अंडे और पत्थर फेंक रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फेंके गए अंडे और पत्थर उन्हें भी लगे हैं और उनके कपड़े भी खराब हो गए। उन्होंने कहा, 'मैंने पुलिस को फोन किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। मैंने आपको फोन किया, उसके बाद पुलिस आई, लेकिन वह भी सिर्फ तमाशा देख रही है।

उन्होंने कहा, 'मैं यहां से नहीं निकलने वाली हूं। डीजीपी साहब, भीड़ को हटवाना आपका काम है। भीड़ को हटाया जाना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आप यह वीडियो देखेंगे। आप एक आईपीएस अधिकारी और पश्चिम बंगाल के डीजीपी हैं। मुझे उम्मीद है कि आप जल्द ही इस भीड़ को हटाने का आदेश देंगे। एक अन्य वीडियो में उन्होंने कहा, 'हम पर हमला हो रहा है और पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। मैं यहां की सांसद हूं और यह भीड़ हमला कर रही है, जबकि पुलिस और सीआरपीएफ तमाशा देख रही है। महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा, 'पिछले दो घंटों से आपकी पुलिस तमाशा देख रही है और भीड़ को नहीं हटा रही है। वे चाहते हैं कि मैं यहां से भाग जाऊं और जब मैं अपनी कार में बैठूं तो मुझ पर अंडे या पत्थर फेंकें। कृपया अपना काम करें। भीड़ को हटाएं। मैं इस तरह यहां से नहीं निकलूंगी। बता दें कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कई टीएमसी के नेताओं पर अंडे फेंके गए। अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी यही आरोप लगाया है और पुलिस से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

'नीट-पीजी 2026' का शेड्यूल जारी, 30 अगस्त को परीक्षा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी)-2026' की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने बुधवार को नीट-पीजी 2026 का शेड्यूल अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से जारी कर दिया है। एनबीईएमएस की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, नीट-पीजी 2026 देश भर के विभिन्न केंद्रों पर कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) मोड में 30 अगस्त को आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया बुधवार की शाम 5 बजे से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई तय की गई है। ऐसे में जो उम्मीदवार इस वर्ष नीट-पीजी देने वाले हैं, वे एनबीईएमएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि के रात 11:55 बजे तक या उससे पहले रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं। एनबीईएमएस द्वारा नीट-पीजी के उम्मीदवारों को उनके परीक्षा शहर की सूचना 11 अगस्त को आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी। वहीं, नीट-पीजी का परिणाम 30 सितंबर को घोषित होने की संभावना है।

भारत-पाक रिश्तों में बर्फ पिघलाने की पहल

मोदी-शहबाज से संवाद बहाल करने की अपील

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक पूर्व राजनयिकों, नेताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने दोनों प्रधानमंत्रियों को लिखा खुला पत्र; व्यापार, वीजा और कूटनीतिक रिश्ते सामान्य करने की मांग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम नरेन्द्र मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके।

इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब हाल के महीनों में भारत और पाकिस्तान के संबंधों में तनाव बना हुआ है। इनका कहना है कि लगातार बढ़ती शत्रुता से दोनों देशों के विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और आम नागरिकों के हित प्रभावित हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा के नेता रविंदर रैना ने भारत-पाकिस्तान वार्ता की मांग को लेकर लिखे गए लेटर पर प्रतिक्रिया दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को किसी लेटर की जरूरत नहीं है। भारत हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। रैना ने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी बस से लाहौर गए थे, लेकिन उसके बाद कारगिल में घुसपैठ हुई और फिर संसद पर आतंकी हमला हुआ। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शामिल हुए थे और बाद में मोदी खुद भी लाहौर गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए लेटर लिख रहे हैं, क्या वे इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि पाकिस्तान भविष्य में कोई दुस्साहस या आतंकी कार्रवाई नहीं करेगा।

> "हम मानते हैं कि बाततीत और कूटनीति ही सभी समस्याओं का स्थाधी समाधान है। दोनों देशों को साहस और दूरदृष्टि दिखाते हुए शांति की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।
>
> – खुला पत्र, 100+ हस्ताक्षरकर्ता

"अटल जी ने कहा था कि दोस्त बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। किसी प्रधानमंत्री की विरासत उसकी ताकत या कार्यकाल से नहीं, बल्कि उसके कार्यकाल में सुलझाए गए विवादों से तय होती है।

महबूबा मुफ्ती
पीडीपी चीफ

भारत और मलेशिया नौसेना वार्ता, हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा और सहयोग बढ़ाने पर जोर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारतीय नौसेना और रॉयल मलेशियाई नौसेना की 11वीं स्टाफ वार्ता बुधवार को अयोजित हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने, समुद्री साझेदारी को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में समुद्री सुरक्षा के लिए मिलकर काम करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'भारतीय नौसेना और रॉयल मलेशियाई नौसेना की 11वीं स्टाफ वार्ता एक जुलाई 2026 को नई दिल्ली में सफलतापूर्वक पूरी हुई।'

इस वार्ता की अध्यक्षता रियर एडमिरल श्रीनिवास मद्दुला, एसीएनएस (एफसीआई) और रॉयल मलेशियाई नौसेना के असिस्टेंट चीफ ऑफ स्टाफ (ऑप्स एंड ट्रेनिंग) रियर एडमिरल दातो' पहलवान मोहम्मद फजली कमाल बिन मोहम्मद मोहल्दीन ने की। बातचीत में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने, समुद्री सहयोग बढ़ाने और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के लिए मिलकर प्रयास करने पर ध्यान दिया गया।

इससे पहले मई में भारतीय नौसेना का समुद्री अनुसंधान पोत आईएनएस सागरध्वनि मलेशिया के पोर्ट क्लैंग पहुंचा था, जहां उसने रॉयल मलेशियाई नौसेना के साथ सफल बातचीत और सहयोग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। भारतीय नौसेना ने बताया कि इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई पेशेवर और वैज्ञानिक बातचीत हुईं। 13 मई को पोर्ट क्लैंग पहुंचने पर रॉयल मलेशियाई नौसेना के कर्मियों ने जहाज का स्वागत किया।

मीडिया सागरध्वनि की यात्रा के दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने आधुनिक हाइड्रोग्राफी तकनीकों, समुद्री पर्यावरण पर शोध और समुद्र विज्ञान से जुड़ी नई तकनीकों के बारे में जानकारी साझा की।

रॉयल मलेशियाई नौसेना के हाइड्रोग्राफिक विभाग की एक टीम ने भी जहाज का दौरा किया और वहां मौजूद समुद्री अनुसंधान प्रणालियों को समझा।

भारतीय नौसेना ने बताया कि विशेषज्ञ अधिकारियों के बीच हुए आदान-प्रदान कार्यक्रम में डेटा आधारित रखरखाव, तकनीकी बदलावों का आकलन, नौवहन सुरक्षा उपकरणों और तकनीक से जुड़े फैसले लेने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

जलवायु परिवर्तन पर डॉ. दीपक सावंत की किताब का राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने किया विमोचन

विश्व केसरी ■

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दीपक सावंत द्वारा लिखित पुस्तक 'क्लाइमेट चेंज: एक चक्रव्यूह' का बुधवार को मुंबई स्थित लोक भवन (राजभवन) में विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर डॉ. दीपक सावंत ने कहा कि यह पुस्तक वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध लेखों तथा विभिन्न अध्ययनों के गहन विश्लेषण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और इस गंभीर विषय पर वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में जलवायु परिवर्तन की जटिलता, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी, जलवायु परिवर्तन और जानलेवा बीमारियां, जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा, कुपोषण और जलवायु परिवर्तन जैसे अध्याय शामिल हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने पुस्तक को जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर वैश्विक मुद्दे पर जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पुस्तक आम लोगों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के लिए उपयोगी साबित होगी।

वहीं, डॉ. दीपक सावंत ने अपनी पुस्तक के बारे में कहा कि 16 साल पहले दी गई चेतावनी आज सच साबित हो रही है। वर्ष 2010 में जब विधान परिषद में ग्लोबल वॉर्मिंग (वैश्विक तापमान वृद्धि) के खतरनाक प्रभावों के बारे में बात की गई थी, तब यह विषय कई लोगों के लिए नया था, लेकिन आज तापमान में लगातार हो रहे बदलाव का असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखाई दे रहा है।

देश के कई शहरों के लिए मौसम विभाग का अलर्ट, गरज-चमक के साथ बारिश, तेज हवाएं चलने की संभावना

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी से बहुत अधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र के मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, पालघर, ठाणे और गुजरात के अमरेली, भरूच, भावनगर, दादरा एवं नगर हवेली, दमन, डांग, दीव, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, नवसारी, पोरबंदर, राजकोट, सूरत, तापी, वलसाड में लगभग 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, बिजली गिरने, गरज-चमक के साथ भारी बारिश (15 मिमी/घंटा से अधिक) की बहुत अधिक संभावना है। यहां के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि देश के कई हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां गरज-चमक, बिजली गिरने, 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और मध्यम बारिश (5-15 मिमी/घंटा) की संभावना जताई गई है।

जिन जगहों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, उनमें मेघालय के ईस्ट गारो हिल्स, नॉर्थ गारो हिल्स, री भोई, वेस्ट गारो हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स और उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बाराबंकी, गाजीपुर, गोंडा, हरदोई, जौनपुर, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, मऊ, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, संत रविदास नगर (भदोही), शाहजहांपुर, श्रावस्ती, सीतापुर, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी शामिल हैं।

इसके साथ ही महाराष्ट्र के रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और मध्य प्रदेश के अनूपपुर, बालाघाट, डिंडोरी, जबलपुर, कटनी, मंडला, शहडोल, उमरिया क्षेत्रों के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गुजरात के अहमदाबाद, आनंद, बोटाद, छोटा उदयपुर, दाहोद, देवभूमि द्वारका, जामनगर, खेड़ा, नर्मदा, पंचमहल, वडोदरा और उत्तराखंड के चंपावत, देहरादून, नैनीताल, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, ऊधम सिंह नगर, उत्तरकाशी के साथ ही जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, बारामूला, बडगाम, गांदरबल, किश्तवाड़, कुलगाम, कुपवाड़ा, शोपियां में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इस दौरान लोगों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और जरूरी सावधानियां बरतें। पेड़ों या कमजोर ढांचों के नीचे शरण न लें, अनावश्यक यात्रा से बचें, सड़क और ट्रैफिक अपडेट पर नजर रखें और संबंधित एजेंसियों की सलाह का पालन करें।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने 40 लाख महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय योजना शुरू की

विश्व केसरी ■

धुरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को लगभग 40 लाख वयस्क महिलाओं के लिए 9,300 करोड़ रुपए के बजट से मासिक 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' शुरू की।

योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में तीन महीने की सत्कार राशि सीधे हस्तांतरित करने की घोषणा की। 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला को 3,000 रुपए और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 4,500 रुपये मिलेंगे, जिससे उन्हें गरिमा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में मदद मिलेगी।

उद्घाटन समारोह के दौरान ही लाभार्थियों को भुगतान मिलना शुरू हो गया, महिलाओं को उनके मोबाइल फोन पर एसएमएस पुष्टिकरण प्राप्त हुए।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मान ने इस दिन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि सरकार ने यह महत्वपूर्ण पहल शुरू की है जिसके तहत 40 लाख से अधिक महिलाएं पहले ही पंजीकृत हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि सत्कार राशि योजना जुलाई से शुरू हो गई है और इससे महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह एक महत्वाकांक्षी योजना है और सरकार ने इसे स्थायी रूप से जारी रखने के लिए पूरी योजना के साथ शुरू किया है।

योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु की महिला लाभार्थियों को मोबाइल नोटिफिकेशन के माध्यम से सूचित किया जाएगा कि प्रत्येक महिला को 1,000 रुपए और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि धनराशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी और जो महिलाएं पहले से ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही हैं, वे भी इस योजना के तहत पात्र होंगी।

उन्होंने बताया कि पंजाब में लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना से लाभ मिलने की उम्मीद है और राज्य सरकार ने इसके लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

इस पहल के व्यापक सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भले ही यह वित्तीय सहायता महिलाओं को धनी न बनाए, लेकिन इससे उन्हें निश्चित रूप से गरिमा और आत्मसम्मान प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाएं सर्वोच्च सम्मान की पात्र हैं क्योंकि वे स्वयं जीवन का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि माताओं और बहनों का आशीर्वाद दुनिया की हर चुनौती का सामना करने में सहायक होता है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू कल्याण में सुधार, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक एवं आर्थिक निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना आवश्यक है।

बिहार विधान परिषद के 10 नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ, पहली बार सदन पहुंचे पवन सिंह-निशांत कुमार

विश्व केसरी ■

पटना। भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह ने बुधवार को बिहार विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेकर औपचारिक रूप से अपनी नई राजनीतिक पारी की शुरुआत की। पटना स्थित बिहार विधान मंडल परिसर में आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित 10 विधान परिषद सदस्यों को सभापति अवधेश नारायण सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत जनता दल (यूनाइटेड) के ललन प्रसाद से हुई। इसके बाद भाजपा के अनिल ठाकुर, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अशरफ अंसारी ने शपथ ली। चौथे क्रम पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने विधान परिषद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की, जबकि उनके बाद पांचवें क्रम पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने शपथ ली। निशांत कुमार और पवन सिंह दोनों पहली बार विधान परिषद पहुंचे हैं।

ललन प्रसाद को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर निर्वाचित किया गया है। नीतीश कुमार ने मार्च 2026 में राज्यसभा सदस्य बनने के बाद विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण के दौरान तीन नवनिर्वाचित महिला सदस्यों ने भी विधान परिषद की सदस्यता की शपथ ली। इनमें जदयू की भारती मेहता और शिवरानी देवी के अलावा शीला प्रजापति शामिल रहीं। इसके बाद भाजपा के संजय मयूख ने शपथ ली, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुनील कुमार सिंह ने सबसे अंत में सदस्यता की शपथ ग्रहण की। ? बिहार विधान परिषद के इस शपथ ग्रहण समारोह के साथ सभी 10 नवनिर्वाचित सदस्य औपचारिक रूप से सदन का हिस्सा बन गए। इनमें सबसे अधिक चर्चा भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की रही, जिन्होंने मनोरंजन जगत से सक्रिय राजनीति तक का सफर तय करते हुए ।

मोदी सरकार का लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना मुख्य उद्देश्य:बृजमोहन अग्रवाल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि देश की नरेंद्र मोदी सरकार का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल बुधवार को संसद भवन में संविधान (130वाँ संशोधन) विधेयक, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 से संबंधित संयुक्त संसदीय समिति (JPC) की बैठक में बतौर सदस्य भाग लेने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

बैठक के दौरान विभिन्न पक्षों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने समिति के समक्ष अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। सभी बिंदुओं पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार यह एक महत्वपूर्ण विधायी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना है।

मध्य प्रदेश में प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और विकास के कार्य जारी: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी ■

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सीएम मोहन यादव ने बड़वानी के तलून में खाटू श्याम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और 21 कुंडीय महायज्ञ कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। यह मंदिर भी उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगा।

उन्होंने आगे कहा कि बड़वानी सहित निमाड़ की धरती संतों, संस्कृति और लोक परंपराओं से समृद्ध रही है। भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सही दिशा दिखाई है, उनके मार्गदर्शन से समाज में सद्भाव, संयम और सेवा की भावना विकसित होती है। गरीबों, जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा ही सच्ची भक्ति है, समाज तभी आगे बढ़ता है जब धर्म और सेवा साथ चलते हैं, यही भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज का अवसर केवल मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का पर्व है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने 325 अमृत सरोवर और 70 एम्बुलेंस लोगों को समर्पित किए

विश्व केसरी ■

नारायणगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को अंबाला जिले में अपनी विधानसभा सीट नारायणगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान 337 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने जनता के लिए 325 अमृत सरोवर और 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस समर्पित किया।

इन प्रोजेक्ट्स में 114 करोड़ रुपए की लागत वाली सात बड़ी हेल्थकेयर पहल शामिल हैं। इसके साथ ही 223 करोड़ रुपए की लागत से बने 325 अमृत सरोवरों का भी उद्घाटन किया गया।

सीएम सैनी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह मौका न केवल नारायणगढ़, बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि 337 करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास 'स्वस्थ, समृद्ध और विकसित हरियाणा' के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इससे पहले 'नेशनल डॉक्टर्स डे' पर मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा वर्करों और सभी हेल्थकेयर कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने मशहूर चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता डॉ. बिधान चंद्र रॉय को भी श्रद्धांजलि दी और उनके इस विचार को याद किया कि स्वस्थ नागरिक ही एक मजबूत राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं।

सीएम सैनी ने कहा कि यमुनानगर-पंचकूला नेशनल हाईवे-73 का निर्माण 1,112 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। अन्य कामों में बारागढ़ में सरकारी महिला कॉलेज, फतेहगढ़-राईवाली सड़क और पुल, नारायणगढ़ फोर-लेन सड़क, राईवाली सड़क और एक आधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम शामिल हैं। सीएम सैनी ने लगभग 32 करोड़ रुपए की लागत से बने 50 बिस्तरों वाले अस्पताल ब्लॉक का भी उद्घाटन किया, जिससे सिविल अस्पताल की क्षमता 100 बिस्तरों की हो गई है। स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर सेवाओं को मजबूत करने के लिए 50 लाख रुपए की अनुमानित लागत से बने ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का भी उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल के राज्य बजट में नारायणगढ़ के लिए एक नए सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थान की घोषणा की गई थी। हरियाणा में 10 नई इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप स्थापित की जा रही हैं, जिनमें आईएमटी अंबाला-नारायणगढ़ भी शामिल है। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत लगभग 10 लाख महिलाओं को 1,415 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मिली है, जिसमें पात्र लाभार्थियों को प्रति माह 2,100 रुपए मिलते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सभी 24 अधिसूचित फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कर रहा है। अब तक 12 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 1.80 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जा चुके हैं।

बेदखली की कार्रवाई शासन की योजनाओं में बने मकान भी टूटे

बुजुर्ग बेसहारा परिवारों के सामने आशियाना पाना चुनौती

विश्व केसरी

रायपुर । धरसीवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नकटी में सोमवार की सुबह शासन के चले बुलडोजर में कई गरीब परिवारों के आशियाना टूट कर बिखर गया इन लोगों को अब नए आशियाना की तलाश है बेदखली की कार्रवाई में आज एक बड़ा सवाल सामने खड़ा है वह सवाल यह है कि इस पूरी कार्रवाई में शासन का डंडा उन मकानों पर चल गया जिन मकानों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से दी गई राशि से आम ग्रामीणों ने तैयार किया था जी हां हम बात कर रहे हैं उन मकानों की जो प्रधानमंत्री आवास योजना में बनाए गए थे इन मकानों में नल- जल योजना के तहत नल लगाए गए थे यह सभी योजनाएं देश के राज्य और केंद्र सरकार की है जिसमें सरकार ने ग्रामीणों को मकान बनाने के लिए राशि उपलब्ध कराई थी तथा जीवन बीतने के लिए नल- जल योजना सहित कई भरोसे वाली योजनाएं दी गई थी जिनके सहारे नकटी गांव के 80 परिवार आशियाना बुनकर रोज सुबह दिन के उजाले को देखते रहे हैं मकान टूटने के बाद उन मकानों में अंधेरा छाया है गरीबी में वह सभी परिवार दिन और रात किस तरह गुजर रहे हैं इसकी आंखों देखी दैनिक विश्व केसरी की मीडिया टीम ने नजदीक से जाकर देखा है और एक ग्रामीण का दर्द समझने का प्रयास किया है वह दर्द जो शब्दों में नहीं आंखों में दिखाई देता है वह दर्द हाथों में नहीं मुरझाए माथे पर दिखाई देता है इन सभी सवालों को लेकर हमारे कैमरामैन और रिपोर्टर आम लोगों से बातचीत की है और समझने का प्रयास किया है जिसमें लोगों ने स्पष्ट तौर पर यह कहा है कि सरकार ने अपने ही बनाए मकान को तोड़ दिया राजनीति का यह कौन सा पक्ष है जो विधायक कॉलोनी बनाने के लिए शासन की ही बने योजनाओं को ध्वस्त करते दिखाई पड़ता है विधायक कॉलोनी बनाने के लिए जिन मकानों को तोड़ा गया है उनमें ज्यादातर मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनाए गए थे उन योजनाओं में बने मकान पर लिखा था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान हैं फिर भी बुलडोजर चल गया ऐसे में यह बड़ा सवाल उठ रहा है कि शासन अपनी ही योजनाओं को सुरक्षित नहीं कर पा रहा है जबकि क्षेत्र के सांसद- विधायक मीडिया के सामने आकर यह कहते दिखाई पड़ते हैं कि शासन ने गरीबों की चिंता करते हुए मकान को तोड़ने की कार्रवाई की है और विस्थापन का कार्य किया जा रहा है।

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का सम्मान, जिला जेल में बंदियों के लिए लगा स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार

विश्व केसरी

बिलासपुर। एक जुलाई को पूरे देश में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर चिकित्सकों के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह दिवस देश के महान चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय की जयंती और पुण्यतिथि की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर डॉक्टरों के समाज और मानव सेवा में योगदान को याद करते हुए उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में चिकित्सकों ने कहा कि मां के बाद यदि कोई व्यक्ति सबसे अधिक मरीज की देखभाल करता है, तो वह डॉक्टर होता है। लोगों का विश्वास, स्नेह और आशीर्वाद ही डॉक्टरों को बेहतर सेवा देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी जनसेवा के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहने की बात कही। इसी कड़ी में डॉक्टर्स डे के अवसर पर जिला जेल में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सिम्स मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति, आईएमए के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद जायसवाल, आईएमए सचिव, सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल और सिविल सर्जन डॉ. एस. कुजूर एवं जेल अधीक्षक सहित शहर के कई वरिष्ठ चिकित्सक शामिल हुए।

इस दौरान जेल परिसर में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया, जहां चिकित्सकों ने कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छ जीवनशैली, बीमारियों से बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में कैदियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी सवाल पूछकर आवश्यक डॉक्टरी सलाह प्राप्त ।

संक्षिप्त खबरें

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि होंगे कलेक्टर

रायपुर। छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम के लिये घोषित किए 11 एल्डरमैन को 2 जुलाई को कलेक्टर द्वारा शपथ दिलाई जायेगी। 11 एल्डरमैन में रामकिंकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडभुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. निवास राव, अनिल सोनकर, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, ऋषि साहू शामिल हैं। ये सभी को 2 जुलाई गुरुवार को रायपुर कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में शपथ ग्रहण करेगे। नामांकित पार्षदो को शपथ ग्रहण रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह द्वारा संपन्न कराया ।

गरीबों के उजाड़े गए आशियानों की नींव पर बनने वाली 'विधायक कॉलोनी' का सभी 90 विधायक खुलकर विरोध करें: उत्तम जायसवाल

रायपुर । आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने रायपुर के नकटी गाँव में शासन-प्रशासन द्वारा गरीब परिवारों के पक्के और कच्चे मकानों को बेरहमी से ढहाए जाने की कार्रवाई पर अत्यंत तीखी और आक्रोशित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि नकटी गाँव में जो कुछ भी हुआ, वह न केवल अमानवीय और दर्दनाक है, बल्कि सत्ता के नशे में चूर सरकार में बैठे लोगों के लिए बेहद शर्मनाक भी है। कड़कड़ाती धूप और बारिश के इस मौसम में छोटे-छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को बेघर कर देना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। उत्तम जायसवाल ने इस मामले में संवेदनशीलता दिखाने वाले कांग्रेस विधायक के कदम का स्वागत करते हुए कहा कि जिस तरह से विधायक चातुरी नन्द ने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और सरकार को लिखित में दिया है कि 'वे उस जमीन पर पैर भी नहीं रखना चाहते और न ही वहां रहना चाहते हैं जहाँ से मासूम गरीबों की चीख-पुकार और बददुआएं निकली हों।' यह एक सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान है। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधायकों (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) से यह पुरजोर अपील करती है कि वे भी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शासन को स्पष्ट शब्दों में लिखकर दें कि हम गरीबों का आशियाना उजाड़कर अपने लिए सर्वसुविधायुक्त विधायक कॉलोनी बनाए जाने का कड़ा विरोध करतें हैं।

रायपुर में VB-G RAM G अधिनियम पर मीडिया वार्ता कल

रायपुर । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय , रायपुर द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पर एक महत्वपूर्ण मीडिया वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 3 जुलाई को प्रात: 11 बजे रायपुर के सिविल लाइंस स्थित न्यू सर्किट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा। इस मीडिया संवाद में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। वहीं ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा (रायपुर) के प्रोफेसर आनंद रघुवंशी मुख्य वक्ता के रूप में अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन ढांचे पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। उल्लेखनीय है कि यह अधिनियम 1 जुलाई 2026 से देशभर में प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसे ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों तक रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान की गई है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को सुनिश्चित एवं सतत रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूत आधार तैयार हुआ है।

अधिनियम का प्रमुख उद्देश्य केवल रोजगार सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे ग्राम स्तर पर स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन, कृषि आधारित ढांचे के सुदृढ़ीकरण तथा आजीविका विविधीकरण से भी जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी बनाने की दिशा में व्यापक परिवर्तन की संभावना व्यक्त की जा रही है। नई व्यवस्था के अंतर्गत कार्यों की योजना, अनुमोदन एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया को तकनीक-संचालित एवं अधिक पारदर्शी बनाया गया है, जिससे लाभार्थियों तक समयबद्ध रोजगार सुनिश्चित किया जा सके तथा योजनाओं की प्रभावी निगरानी संभव हो।

पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित इस मीडिया वार्ता में विषय विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ अधिकारी अधिनियम के नीतिगत उद्देश्य, प्रमुख प्रावधानों, वित्तीय संरचना, क्रियान्वयन मॉडल तथा इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया जाएगा, जिससे अधिनियम की व्यावहारिक समझ और अधिक स्पष्ट हो सकेगी। कार्यक्रम में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों की उपस्थिति अपेक्षित है। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय नीति संवाद में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

दो बाघों की खाल के साथ महाराष्ट्र के दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वन विभाग ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा से दो अंतरराज्यीय तस्करों को बाघ की दो खालों के साथ गिरफ्तार किया गया है। गोपनीय सूचना के आधार पर पश्चिम भानुप्रतापपुर वनमंडल के बांदे परिक्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। घेराबंदी के दौरान महाराष्ट्र के गढ़चिरौली निवासी दो आरोपी मोटरसाइकिल से बाघ की दो खालों की अवैध तस्करी करते हुए पकड़े गए। वन विभाग की टीम ने दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वन विभाग इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटा हुआ है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वन विभाग लगातार आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय से वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी निगरानी रख रहा है। ऐसे संगठित तस्करी नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक संपन्न

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ सचिवों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (डीरिग्युलेशन एंड फैसिलिटेशन) बिल, 2026' के प्रारूप तथा निवेश संवर्धन, डिजिटल सुविधा और व्यवस्थित नियामकीय सुधारों के लिए तैयार किए गए परिचालन ढांचे पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के उपायों की समीक्षा की गई। परिचालन ढांचे के अंतर्गत 'इन्वेस्ट छत्तीसगढ़' के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था , पांच प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित कार्यप्रणाली, 180 शासकीय सेवाओं का सरलीकरण तथा नौ विभागों को इस व्यवस्था से जोड़ने संबंधी प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रक्रियाओं के सरलीकरण, डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा निवेशकों के लिए सुगम, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था से राज्य में निवेश को गति मिलेगी, उद्योगों के लिए कारोबार करना और अधिक सहज होगा तथा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, त्वरित एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जा सकेंगी। बैठक में गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव सुश्री आर.शंगीता, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फिल्मी स्टाइल में लूट: महिला बनकर आए बदमाशों ने दुकानदार के आंखों में झोंकी मिर्च, विरोध पर संचालक को दांत से काटा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाना इलाके में आने वाले छुरी गांव में दिनदहाड़े एक बड़ी वारदात से सनसनी फैल गई। नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने राज ज्वैलर्स नाम की सोने-चांदी की दुकान को अपना निशाना बनाया। बदमाशों ने पूरी तैयारी के साथ दुकान में घुसकर लूटपाट करने की कोशिश की। यह पूरी सनसनीखेज घटना दुकान के भीतर लगे सीसीटीवी यानी सुरक्षा कैमरे में पूरी तरह कैद हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

नकाबपोश लुटेरे ग्राहक बनकर दुकान के अंदर दाखिल हुए थे। हैरान करने वाली बात यह है कि इन बदमाशों में से एक आरोपी महिला के कपड़े यानी सलवार सूट पहनकर आया था ताकि आसपास के लोगों या दुकानदार को उन पर जरा भी शक न हो। दुकान के अंदर आते ही लुटेरों ने सोने की अंगूठी दिखाने के लिए कहा। जैसे ही दुकान संचालक जेवरात दिखाने लगा बदमाशों ने अचानक उसकी आंखों में मिर्ची का पाउडर झोंक आंखों में मिर्ची डालने के बाद आरोपियों ने तुरंत कट्टा यानी देसी बंदूक और चाकू निकाल लिया। उन्होंने हथियार की नोक पर दुकान में रखे जेवरात लूटने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि लुटेरे दुकान में रखे असली गहनों के साथ-साथ वहां रखे कुछ नकली जेवरों को भी समेटने लगे। जिस समय यह पूरी वारदात हो रही थी उस वक्त दुकान के अंदर तीन कर्मचारी भी मौजूद थे जो इस अचानक हुए हमले से सहम गए।

जब बदमाशों ने जेवरात लूटना शुरू किया तो दुकान के मालिक राजकुमार अग्रवाल ने अपनी जान की परवाह न करते हुए उनका विरोध कर दिया। खुद को फंसता देख बदमाशों ने संचालक पर हमला बोल दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। लूट का विरोध करने पर एक आरोपी ने चाकू से वार किया, वहीं चर्चा है कि पकड़े जाने के डर से एक लुटेरे ने संचालक को दांत से भी बुरी तरह काट लिया। संचालक की इस बहादुरी के कारण लुटेरे घबरा गए। बदमाशों की बाइक और हथियार दुकान में ही छूटे दुकानदार के कड़े विरोध के कारण लुटेरे पूरी तरह कामयाब नहीं हो सके। अफरा-तफरी और डर के माहौल में भागते समय आरोपी अपना एक कट्टा और प्लेटिना मोटरसाइकिल दुकान पर ही छोड़कर रफूचक्कर हो गए। वे अपने साथ केवल कुछ आर्टिफिशियल यानी बनावटी और नकली गहने ही ले जा सके। वारदात के बाद आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना कटघोरा थाना पुलिस को दी।दिनदहाड़े हुई इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे जिले और आसपास के रास्तों पर नाकेबंदी यानी आने-जाने वाले रास्तों को बंद कर चेकिंग शुरू कर दी है। पुलिस दुकान में लगे सुरक्षा कैमरों के फुटेज के आधार पर बदमाशों के हुलिए की पहचान करने में जुटी है। इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में काफी डर देखा जा रहा है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय 'सहयोग केंद्र' जनदर्शन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सुनीं लोगों की समस्याएं

विश्व केसरी

रायपुर। प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित 'सहयोग केंद्र' में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

'सहयोग केंद्र' के जनदर्शन के माध्यम से संगठन और सरकार के बीच समन्वय को मजबूत किया जा रहा है। इससे न केवल कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान हो रहा है, बल्कि आम नागरिकों को भी सीधे संवाद का अवसर मिल रहा है। आज जनदर्शन कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आये कार्यकर्ता एवं आमजनों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिन पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान लोग अपनी समस्याओं का त्वरित निराकरण पाकर खुश दिखाई दिए।

संपादकीय

सूखी धरती, बढ़ती चिंता

मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि भारत की कृषि व्यवस्था की जीवनरेखा है। हर वर्ष करोड़ों किसान आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं कि समय पर बारिश होगी और उनकी मेहनत रंग लाएगी। लेकिन जब मानसून देर से आए या सामान्य से कम वर्षा हो, तो सबसे बड़ा संकट किसानों के सामने खड़ा हो जाता है। इस वर्ष भी कई क्षेत्रों में बारिश की कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेत सूखे हैं, बोवनी प्रभावित हो रही है और खरीफ फसलों का भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा है।

भारत की लगभग आधी से अधिक कृषि आज भी वर्षा पर निर्भर है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होने के बावजूद छोटे और सीमांत किसानों के लिए बारिश ही खेती का सबसे बड़ा सहारा है। समय पर वर्षा नहीं होने से धान, सोयाबीन, मक्का, दलहन और तिलहन जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित होती है। बीज, खाद और जुताई पर पहले ही खर्च कर चुके किसानों के सामने दोहरी मार पड़ती है। यदि दोबारा बुवाई करनी पड़े तो लागत और बढ़ जाती है, जबकि आय की कोई निश्चितता नहीं रहती।

बारिश की कमी का असर केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुपालन, पेयजल और खाद्य सुरक्षा तक

दिखाई देता है। जलाशयों में पानी कम होने से सिंचाई और बिजली उत्पादन भी प्रभावित होता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो महंगाई बढ़ने की आशंका भी रहती है, क्योंकि कृषि उत्पादन में कमी सीधे बाजार की कीमतों पर असर डालती है।

ऐसी परिस्थितियों में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसानों को समय पर मौसम संबंधी सटीक जानकारी उपलब्ध कराना, वैकल्पिक फसलों की सलाह देना, बीज और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा फसल बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। जिन क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति बन रही है, वहां राहत पैकेज, ब्याज मुक्त ऋण और मनरेगा जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण रोजगार बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

साथ ही, यह संकट हमें दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता का भी एहसास कराता है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों, तालाबों के पुनर्जीवन और जलवायु-अनुकूल खेती को प्राथमिकता दिए बिना कृषि को सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता। खेती को केवल मानसून के भरोसे छोड़ना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है।

किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। यदि उनकी चिंताओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव पूरे समाज और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, वैज्ञानिक संस्थान और समाज मिलकर ऐसी नीतियां अपनाएं, जिनसे किसान प्राकृतिक विपरीत परिस्थितियों का मजबूती से सामना कर सकें। सूखी धरती पर केवल बारिश ही नहीं, बल्कि प्रभावी नीति, संवेदनशील प्रशासन और सामूहिक प्रयासों की भी उतनी ही आवश्यकता है।

आस्था की चौखट पर असुरक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं बनती, बल्कि उन आस्था-स्थलों से भी निर्मित होती है जिन्होंने सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश दिया है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं; वे विश्वास, संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सहभागिता के जीवंत केंद्र हैं। यहां लोग केवल ईश्वर के दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने सुख-दुख साझा करने, मन की शांति पाने और जीवन के संघर्षों में आशा का संबल प्राप्त करने आते हैं। यही कारण है कि जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता। यह करोड़ों लोगों की आस्था, सामाजिक विश्वास और सांस्कृतिक चेतना पर सीधा आघात होता है।

बीते कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी चुराने, बहुमूल्य आभूषण गायब करने, प्राचीन मूर्तियों की तस्करी करने और धार्मिक सामग्री की चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कई मामलों में अपराधियों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग किया, जबकि कई घटनाओं में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि समाज के नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। जिस स्थान को लोग सबसे सुरक्षित और पवित्र मानते हैं, यदि वही अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

मंदिरों में चोरी को सामान्य संपत्ति-अपराध की श्रेणी में रखकर उसकी गंभीरता को कम नहीं आंका जा सकता। किसी दुकान, मकान या कार्यालय में चोरी आर्थिक क्षति पहुंचाती है, लेकिन मंदिर में चोरी विश्वास की जड़ों को भी कमजोर करती है। श्रद्धालु अपनी कमाई का एक हिस्सा ईश्वर के प्रति कृतज्ञता, सेवा और समाजहित की भावना से दान करते हैं। वे यह विश्वास रखते हैं कि उनका अर्पण धर्मार्थ कार्यों, सामाजिक सेवा और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो केवल दानपेटी खाली नहीं होती, बल्कि श्रद्धालु के मन में भी संदेह और पीड़ा जन्म लेती है। यही कारण है कि मंदिरों में चोरी की घटनाएं समाज में सामान्य अपराधों की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं।

ऐसी घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण नकद दान की परंपरा है। आज भी देश के अधिकांश मंदिरों में बड़ी मात्रा में नकद चढ़ावा आता है। अनेक छोटे और मध्यम मंदिरों में दान की गणना, सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई बार दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे उनमें बड़ी मात्रा में नकदी जमा हो जाती है। यह स्थिति अपराधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है। जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो और बड़ी मात्रा में नकद धन उपलब्ध हो, वहां अपराध की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता है। महानगरों के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक अलार्म सिस्टम, रात्रि सुरक्षा, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं या केवल औपचारिक रूप से स्थापित हैं। कई कैमरे खराब पड़े रहते हैं, रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित नहीं होता और नियमित निगरानी भी नहीं की जाती। अपराधी इन कमियों का अध्ययन कर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते हैं।

प्रबंधन संबंधी कमजोरियां भी ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देती हैं। अनेक मंदिरों का संचालन पारंपरिक ढंग से होता है, जहां वित्तीय जवाबदेही और प्रशासनिक पारदर्शिता के स्पष्ट मानक नहीं बने हैं। दान की गणना, लेखा-जोखा, व्यय और भंडारण की प्रक्रिया कई बार व्यवस्थित नहीं होती। जहां जवाबदेही कमजोर होती है, वहां गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ जाती है। कुछ मामलों में चोरी बाहरी अपराधियों द्वारा नहीं, बल्कि अंदरूनी मिलीभगत से भी की जाती है। यह स्थिति अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इससे संस्था के भीतर का विश्वास भी टूटता है।

सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां भी इस समस्या से जुड़ी हुई हैं। बेरोजगारी, नशे की लत, कर्ज का बोझ, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास कुछ लोगों को अपराध की ओर धकेलता है। हालांकि इन कारणों के आधार पर किसी भी अपराध का औचित्य सिद्ध नहीं किया जा सकता। मंदिरों में चोरी केवल आर्थिक मजबूरी का परिणाम नहीं होती; अनेक मामलों में यह संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी और पेशेवर गिरोहों की सुनियोजित गतिविधि होती है। विशेष रूप से प्राचीन मूर्तियों और दुर्लभ धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवैध मांग भी ऐसे अपराधों को बढ़ावा देती है।

मंदिर में चोरी का सबसे गहरा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार की खुशहाली, बच्चों के भविष्य, स्वास्थ्य या किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए श्रद्धापूर्वक दान करता है, तो वह केवल धन नहीं देता, बल्कि अपना विश्वास भी समर्पित करता है। यदि वही विश्वास असुरक्षित महसूस करने लगे तो समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति संदेह बढ़ने लगता है। कई लोग दान देने से हिचकने लगते हैं, मंदिर समितियों पर प्रश्न उठने लगते हैं और स्थानीय स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का वातावरण बन जाता है। इस प्रकार एक चोरी केवल धन का नुकसान नहीं करती, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकता को भी प्रभावित करती है।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को केवल धार्मिक विषय मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रश्न है। जिस प्रकार बैंक, संग्रहालय, विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों के लिए सुरक्षा के मानक निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार मंदिरों के लिए भी न्यूनतम सुरक्षा मानक तय किए जाने चाहिए। प्रत्येक मंदिर की आय, आकार और संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा सकती है। बड़े मंदिरों में अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और डिजिटल प्रबंधन आवश्यक है, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा सकता है।

आज के डिजिटल युग में तकनीक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, क्लाउड आधारित रिकॉर्डिंग, गति-संवेदी अलार्म, बायोमेट्रिक प्रवेश प्रणाली, स्मार्ट लॉक और आपातकालीन सूचना प्रणाली मंदिरों की सुरक्षा को मजबूत बना सकती हैं। दानपेटियों को निर्धारित समय पर ही खोला जाए और यह प्रक्रिया कम-से-कम दो या तीन जिम्मेदार व्यक्तियों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। नकद गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग, हस्ताक्षरित रजिस्टर और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था से अनियमितताओं की संभावना काफी कम हो सकती है।

अयोध्या राम मंदिर प्रकरणः कार्यप्रणाली और पारदर्शिता का प्रश्न

महेन्द्र तिवारी

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। इसने धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी। पिछले कुछ दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार जांच अब केवल कथित चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती और जमा करने की जो व्यवस्था तय थी, उसका पालन वास्तव में हुआ या नहीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चढ़ावे की गिनती के लिए मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच एक निर्धारित व्यवस्था बनाई गई थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नकदी की गिनती पूरी पारदर्शिता के साथ हो और किसी एक व्यक्ति या समूह के भरोसे पूरी प्रक्रिया न रहे। बताया जा रहा है कि गिनती के समय दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति आवश्यक थी। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो यह केवल व्यक्तिगत लापरवाही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी सामने आएगी।

जांच एजेंसियां केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार बैंक अभिलेख, लेनदेन का विवरण, अभिलेखों का मिलान, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका और अन्य वित्तीय पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यवस्था में कई स्तरों पर निगरानी हो और उसके बावजूद कथित अनियमितता सामने आए तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि नियंत्रण तंत्र किस स्तर पर कमजोर पड़ा। यही कारण है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई संचालन संबंधी नियमों की समीक्षा की जा रही है। इनमें निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों का नियमित परिवर्तन, निर्धारित पहचान व्यवस्था, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव और पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही जैसे पहलू शामिल हैं। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त होती हैं। इसलिए ऐसी संस्थाओं में केवल ईमानदारी पर्याप्त नहीं होती बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक होती है।

विशेष जांच दल की कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि मामला केवल अनुमान के आधार पर नहीं चल रहा है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और 8 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जांच एजेंसियां संभावित भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक संस्थानों में आने वाला धन सामान्य सरकारी राजस्व नहीं होता। यह सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से चढ़ावा देता है और उसे विश्वास होता है कि उसका योगदान उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह अर्पित किया गया है। यदि इस विश्वास पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास पर भी पड़ सकता है।

बोध कथा

भारत को सोने की चिड़िया बनाने वाला असली राजा कौन था ?

कहानी है सत्य युग अर त्रेता युग के बाद जब द्वापर युग आता है तब भक्ति शुरू हो बिक्रमादीतय राजा बनते हैं। जब उनके राज्य में इतनी सुख है तो सत्य युग अर त्रेता युग में कितने जादा सुख होगा कोई जानकारी नहीं है। उहां क्या क्या चिज होगा उनके बारे में जानकारी के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आकर निशुल्क जान ने से खुसि में गद गद होजाएंगे।

दुनिया कि सबसे बड़ा पाठशाला में भगवान पढ़ाते हैं। जो पढेगा उह सतयुग में 21 जन्म कि बादशाही लेता है।

कौन था वह राजा जिसके राजगद्दी पर बैठने के बाद उनके श्रीमुख से देववाणी ही निकलती थी और देववाणी से ही न्याय होता था

कौन था वह राजा जिसके राज्य में अधर्म का संपूर्ण नाश हो गया था ?

बड़े ही दुख की बात है कि महाराज विक्रमादित्य के बारे में देश को लगभग शून्य बराबर ज्ञान है। जिन्होंने भारत को सोने की चिड़िया बनाया था और स्वर्णिम काल लाया था।

उज्जैन के राजा थे गन्धर्वसैन , जिनके तीन संताने थी , सबसे बड़ी लड़की थी मैनावती , उससे छोटा लड़का भृतहरि और सबसे छोटा वीर विक्रमादित्य...बहन मैनावती की शादी धारानगरी के राजा पदमसैन के साथ कर दी , जिनके एक लड़का हुआ गोपीचन्द , आगे चलकर गोपीचन्द ने श्री ज्वालेन्दर नाथ जी से योग दीक्षा ले ली और तपस्या करने जंगलों में चले गए, फिर मैनावती ने भी श्री गुरू गोरक्ष नाथ जी से योग दीक्षा ले ली।

आज ये देश और यहाँ की संस्कृति केवल विक्रमादित्य के कारण अस्तित्व में है।

अशोक मौर्य ने बोद्ध धर्म अपना लिया था और बोद्ध बनकर 25 साल राज किया था।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

एक पत्र मानसून के नाम

अख्तर अली

प्रिय मानसून ! तुम जहां कहीं भी हो, तुरंत चले आओ.तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा तुम्हारे बिना खेतों में दरारें पड़ गई है. खेत इंतजार में सूख रहे हैं अगर तुम्हे किसी ने महंगे रिसोर्ट में नज़रबंद कर के रखा है तो वहां से निकल कर चले आओ सूटकेस से मोह लगाओगे तो न खेत के रहोगे न छत के । यार मानसून, तुम सेवक हो, मालिकों के अंदाज मत अपनाओ । तुम सामाजिक कार्यकर्ता हो, राजनैतिक कार्यकर्ता होने का एहसास से बचो मानसून मेरी जान, एक बात हमेशा याद रखना कि तुम्हे बादलो के रास्ते आना है आँखों के रास्ते से हरगिज़ न अय्यो ।

मानसून तुम यहां हजारो बरस से बरस रहे हो पर अभी तक यहां का चलन नहीं समझे । यहां का यही चलन है कि जमीन का कोई टुकड़ा लंबे वक्त तक खाली पड़ा रहता है तो उस पर अवैध कब्जा हो जाता है । तुम्हें पानी बनकर सड़कों पर बहना था, तुम नहीं बहे तो सड़कों पर खून बह रहा है , इसी प्रकार मकान ढहाने का काम भी तुम्हारे हाथ से निकल गया है. अब यह काम पूरी मुस्तैदी से बुलडोजर कर रहा है ।

मानसून एक बात कान खोल कर सुन लो, अगर तुम्हारी यही लापरवाही रही और यहां पर कृत्रिम वर्षा ने पैर जमा लिए तो फिर कवि के अतिरिक्त और किसी को तुम्हारी प्रतीक्षा नहीं रहेगी ।

डियर मानसून, यह अच्छी बात है कि तुम्हारा निर्माण न तो सरकारी संयंत्र में होता है और न ही निजी क्षेत्र की औद्योगिक यूनिट में , भगवान तुम्हे मैनेज करते हैं । अगर तुम्हारा निर्माण इंसान के बनाए हुए कारखाने में होता तो मानसून का क्या भाव होता कितनी उसकी आपूर्ति होती कितना समय पर पहुंचता, कितना वह वाजिब लोगों को मिलता, कितनी कालाबाजारी होती, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है । हो सकता है, मानसून का कोटा तय कर दिया जाता. वह किसान के पास पहले नहीं पहुंचता. पहले वह किसी उद्योगपति के गोदाम में रहता. वहां से भारी मुनाफावसूली के बाद मानसून को खेतों में भेजा जाता । किसान राह तकते रह जाते और अमीर के बच्चे छत पर बारिश के पानी में नहाते नज़र आते ।

अच्छा मानसून भय्या, यह बताओ आपका और मौसम विभाग में छत्तीस का आंकड़ा क्यों है ? जब जब मौसम विभाग मानसून के संबंध में भविष्यवाणी करता है तुम उसे झूठी साबित कर देते हो कल शाम मेरे घर मेहमान आये, मैंने आश्चर्य से पूछा, आज कैसे घर से निकल गये आज तो अख़बार में भारी वर्षा की चेतावनी दी है उन्होंने कहा – वही पढ़ कर समझ गये कि आज मौसम साफ़ रहेगा और पानी नहीं बरसेगा इसलिए चले आये।

मानसून मेरे कम लिखे को ज़्यादा और चिट्ठी को तार समझ जिस प्रकार छोटे छोटे वाक्यों से बड़ी रचना बनती है उसी प्रकार छोटी-छोटी बूंदों से भारी बारिश बन कर बरस जाओ ।

इतिहास

1 जुलाई का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन 1963 में अमेरिका में 'ZIP कोड' की शुरुआत हुई थी, 1979 में सोनी ने पहला 'वॉकमेन' बाज़ार में उतारा था, और 2002 में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना हुई थी।आज के दिन की कुछ प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं और उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है:विश्व इतिहास (World History)1903: 'टूर डी फ्रांस' (Tour de France) साइकिल रेस की पहली बार शुरुआत हुई, जो 20 दिनों तक चली थी।1908: 'SOS' को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संकट संकेत (International Distress Signal) के रूप में अपनाया गया।1963: यूनाइटेड स्टेट्स पोस्टमास्टर द्वारा पत्रों की त्वरित डिलीवरी के लिए 'ज़िप कोड' (ZIP Code) प्रणाली की शुरुआत की गई।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने अधिकारियों को दिए निर्देश

जगदलपुर। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बैठक में शिक्षा मंत्री यादव ने शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके बेहतर एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बस्तर के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसके लिए अंदरूनी क्षेत्रों के स्कूलों को पुनर्जीवित करना है, साथ ही स्कूलों में विद्यार्थियों-शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जानी है।

उन्होंने विद्यार्थियों की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार, नियमित उपस्थिति और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी की आवश्यकता बताई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों के आधार रूट को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्कूलों को केंद्रित कर गणित, अंग्रेजी, हिंदी पर फोकस करें। साथ ही चरणबद्ध तरीके से कैलेंडरवार, शालावार, विषयवार समय-सारणी के साथ पढ़ाई करवाएँ और रिवीजन टेस्ट की गतिविधि करवायें।

बुधवार को बस्तर कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शिक्षा मंत्री यादव संभाग स्तरीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह एवं संचालक ऋतुराज रघुवंशी, कलेक्टर आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित संभाग के शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक एचआर सोम, सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, डीएमसी, बीईओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान आधार बेस एप के माध्यम से कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति तथा वीएसके एप में शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति की स्थिति की जानकारी ली गई। ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नेटवर्क विहीन स्कूलों की सूची कलेक्टर के माध्यम से उपलब्ध कराने कहा गया। शिक्षा मंत्री ने अन्य विभागों में पदस्थ शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को मूल पदस्थापना में वापस भेजने के निर्देशों के पालन की समीक्षा की।

उन्होंने बसाहटवार प्राथमिक शालाओं की जानकारी, नए विद्यालयों की आवश्यकता, बंद विद्यालयों को पुनः प्रारंभ करने की कार्ययोजना, बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम में जिलों के प्रदर्शन पर चर्चा की। जिलों के पोटा केबिन में अंतर जिला स्कूली बच्चों को एडमिशन देने के निर्देश दिए, साथ ही वार्षिक परीक्षा में बेहतर परिणाम हेतु पिछले वर्षों के प्रश्नों का विषय आधारित यूनिट टेस्ट और तिमाही परीक्षा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को कमजोर स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, उपस्थिति, ड्रॉपआउट की स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, रिक्त एवं युक्तियुक्तकरण किए गए शिक्षक पदों की स्थिति (ई एवं टी संवर्ग), स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालयों की कार्ययोजना एवं गैप एनालिसिस की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा छात्र हितग्राही योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, गणवेश वितरण, पाठ्य पुस्तकों का वितरण, सरस्वती सायकल योजना, मध्यान्ह भोजन व न्यौता भोजन, शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमों के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद स्कूल का विकास पीएम स्कूल के तर्ज पर करने के लिए जोर दिया। साथ ही जर्जर स्कूल भवनों को नियमानुसार ध्वस्त करवाने और स्कूलों के छोटे-छोटे आवश्यकता वाले कार्यों को जरूरत के आधार पर बजट का उपयोग करने की बात कही। मंत्री ने निर्देशित किया कि पाठय पुस्तक का वितरण शत-प्रतिशत किया जाए, स्कूलों एवं संकुलों में अवितरित किताबों का रिकार्ड संधारित किया जाए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को संभाग में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

बैठक से पूर्व शिक्षा मंत्री ने कलेक्टोरेट परिसर में सरस्वती सायकल योजनान्तर्गत लक्षित वर्ग के स्कूली छात्राओं को निःशुल्क सायकल एवं गिफ्ट प्रदान कर उन्हे मेहनत एवं लगन के साथ पढ़ाई करने की समझाईश दी।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू व उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दी लगभग 10 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

विश्व केसरी

बिलासपुर । केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री अरूण साव आज मंगला स्थित माता चौरा में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास को गति देने वाले अनेक कार्यों की सौगात दी।

कार्यक्रम में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडे, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, नगर निगम कमिश्नर प्रकाश सर्वे, दीपक सिंह, मोहित जायसवाल, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार विकास को मिशन के रूप में आगे बढ़ा रही है। डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से विकास कार्यों को गति मिली है। अब केवल भूमिपूजन नहीं, बल्कि समयबद्ध तरीके से विकास कार्यों का लोकार्पण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिलासपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिली है। सड़क, रेल, पेयजल और शहरी विकास के क्षेत्र में लगातार बड़े कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिलासपुर को महत्वपूर्ण परियोजनाओं की स्वीकृति मिली है। रेलवे के विस्तार, स्टेशनों के उन्नयन और अन्य विकास कार्यों से क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पिछले दो वर्षों में बिलासपुर नगर निगम को 437 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। आने वाले समय में शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, ताकि नागरिकों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री साव ने मंगला स्थित मुक्तिधाम के लिए 50 लाख रुपये तथा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में अब तक एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। क्षेत्र में सड़क, पेयजल, नाली, सामुदायिक भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

लोगों ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से मंगला सहित आसपास के क्षेत्रों में नागरिक सुविधाएं बेहतर होंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

जशपुर नगर पालिका के नवनिर्वाचित व मनोनीत पार्षदों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

जशपुरनगर । नगर पालिका परिषद जशपुर के वार्ड क्रमांक 08 एवं 14 में संपन्न उपचुनाव के नवनिर्वाचित पार्षदों तथा शासन द्वारा मनोनीत पांच पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी समीर बड़ा ने सभी नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह में विधायक रायमुनी भगत, पूर्व सांसद राजा रणविजय सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार राय, ओमप्रकाश सिन्हा, नगर पालिका जशपुर के सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक रायमुनी भगत ने नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पार्षदों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी जिम्मेदारी नगर के समग्र विकास और नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पार्षद दृढ़ संकल्प और जनसेवा की भावना के साथ नगर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। पूर्व सांसद राजा रणविजय सिंह जूदेव ने भी सभी पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण करना जनप्रतिनिधियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

शपथ ग्रहण समारोह में वार्ड क्रमांक 08 से प्रेमलता साहू (भारतीय जनता पार्टी) तथा वार्ड क्रमांक 14 से प्रिया सिंग (भारतीय जनता पार्टी) ने नवनिर्वाचित पार्षद के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसी प्रकार शासन द्वारा मनोनीत पार्षदों में संतोष सिंह, राधेश्याम राम, रूपेश सोनी, ओमप्रकाश नायक एवं नीतू गुप्ता ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह के अंत में आभार प्रदर्शन नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष अरविन्द भगत ने किया।

कृषि में नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री रामविचार

विश्व केसरी

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण, आदिम जाति विकास, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आज धमतरी जिले के प्रवास के दौरान कृषि, अनुसंधान एवं कृषक हित से जुड़े विभिन्न संस्थानों और परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद का भ्रमण कर वहां संचालित शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया तथा जिले के विभिन्न ग्रामों में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं नवाचार आधारित परियोजनाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरूद पहुंचने पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नवनीत राणा ने मंत्री नेताम का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान परियोजनाओं, विद्यार्थियों के प्रशिक्षण तथा कृषि नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर मंत्री नेताम ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की आधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लास रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षा फोरम एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद कर अध्ययन व्यवस्था, शोध गतिविधियों तथा छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय एवं छात्रावास में उपलब्ध शैक्षणिक, तकनीकी एवं आधारभूत सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया।

मंत्री नेताम ने महाविद्यालय स्थित कृषि संग्रहालय में विद्यार्थियों द्वारा तैयार कृषि मॉडल, वैज्ञानिक प्रदर्शनी तथा मशरूम प्रसंस्कृत उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों की नवाचारपूर्ण सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास भविष्य की आधुनिक, आत्मनिर्भर एवं तकनीक आधारित कृषि व्यवस्था की मजबूत नींव हैं। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी सिद्धार्थ कोमल ने महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कृषि शिक्षा में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, कृषि अनुसंधान तथा कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग पर विस्तृत चर्चा की।

स्वास्थ्य मंत्री का महारानी अस्पताल का औचक दौरा; व्यवस्थाएं सुधारने और 300 नए बेड बढ़ाने के निर्देश

विश्व केसरी

जगदलपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बस्तर अंचल के ऐतिहासिक महारानी अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को अस्पताल की गौरवशाली पहचान के अनुरूप मानवीय संवेदनाओं के साथ मरीजों को बेहतर उपचार एवं सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल को आम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल की वर्तमान 200 बिस्तर क्षमता को बढ़ाकर 300 शैयायुक्त करने के निर्देश देते हुए नए सेटअप तथा अस्पताल भवन उन्नयन का प्रस्ताव विभाग को भेजने कहा।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में डायलिसिस सेंटर एवं कैंसर यूनिट के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर की अंदरूनी सड़कों की मरम्मत भी शीघ्र करवाने कहा। उन्होंने अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा कक्ष, ओपीडी, ईसीजी यूनिट तथा ब्लड बैंक का निरीक्षण किया और उपचार के लिए आए मरीजों तथा उनके परिजनों से आत्मीयता से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मंत्री ने अटल आरोग्य लैब का भी निरीक्षण करते हुए यहां उपलब्ध जांच सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक उपकरणों की शीघ्र स्थापना कर सभी 134 प्रकार की जांच सुविधाएं जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए.इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर महारानी अस्पताल में केक काटकर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों से समर्पण और सेवा भाव के साथ चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का आह्वान किया। इस मौके पर विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी समेत महारानी अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने 50 करोड़ के जूते-चप्पल टेंडर पर लगाई रोक!

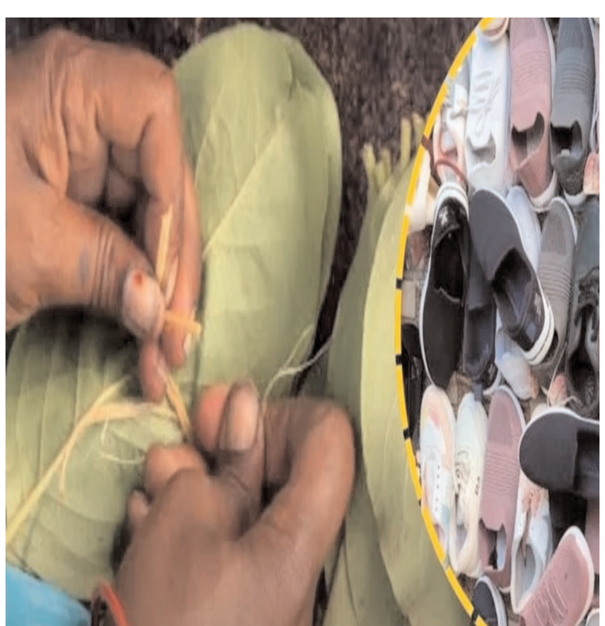

विश्व केसरी

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए करीब 50 करोड़ रुपये के जूते-चप्पल खरीद विवादित टेंडर को रद्द कर दिया है।

हाईकोर्ट की रोक के बाद वन विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उपज सहकारी संघ की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है।

प्रदेश के करीब 13 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका यानी जूते-चप्पल देने के लिए बड़े स्तर पर खरीद की तैयारी की गई थी। इसके लिए करीब 50 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया था।

सूत्रों मानें तो इतनी बड़ी खरीद से पहले प्रस्ताव संचालक मंडल के सामने रखा जाता है और उसकी मंजूरी ली जाती है। लेकिन आरोप है कि इस मामले में न तो बोर्ड की मंजूरी ली गई और न ही इस पर विस्तार से चर्चा हुई।

जानकारों का कहना है कि अगर सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया जाता तो शायद यह विवाद नहीं होता। अब कोर्ट के फैसले के बाद यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि इतनी बड़ी खरीद में सभी सरकारी नियमों और जरूरी प्रक्रियाओं का पालन हुआ था या नहीं। फिलहाल सरकार की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब सभी की नजर विभाग की समीक्षा और आगे की कार्रवाई पर टिकी।

कुनकुरी के युवाओं को मिलेगी बड़ी सौगातः सलिया टोली में बन रहा सर्वसुविधायुक्त 'नालंदा परिसर'

विश्व केसरी

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कुनकुरी के सलियाटोली में 4.37 करोड़ रुपये की लागत से 250 सीटर सर्व सुविधायुक्त नालंदा परिसर निर्माण का निर्माण कार्य किया जा रहा है। विगित वर्ष 21 जून 2025 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कुनकुरी में भूमिपूजन किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश के युवाओं को शिक्षा की उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। जशपुर जिले में भी 2 स्थानों जशपुर जिला मुख्यालय और कुनकुरी के सलिया टोली में नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। यहां के वृहद पुस्तकालय के साथ आधुनिक शिक्षण सुविधाएं एवं तकनीकी संसाधन प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों की निर्बाध पढ़ाई के लिए यह 24 घंटे खुला रहेगा।

इस नालंदा परिसर में महानगरों के समान हफ्ते के सातों दिन पड़ने की सुविधा प्रदान की जाएगी। यहां इंडोर एवं आउटडोर पढ़ने के लिए सुविधा होगी। प्रकृति के करीब होकर भी विद्यार्थी ऑक्सी रीडिंग जोन में पढ़ने का आनंद ले सकेंगे। इस परिसर को स्वायत्त मॉडल में विकसित किया जा रहा है जहां पर्यावरण का ख्याल रखते हुए सौर ऊर्जा से कैंपस को रौशनी दी जाएगी। इसके लिए इको फ्रेंडली डिजाइन का निर्माण किया गया है, जिसमें विद्युत की खपत कम होगी, यहां 50 से अधिक नेटिव पौधों की प्रजातियों का भी रोपण किया जाएगा।

इस कैंपस में भविष्य की मांग को देखते हुए मानसिक के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूथ टावर, स्पोर्ट्स कोर्ट्स, कैफेटेरिया, एटीएम, हेल्थ जोन जैसे युवाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। परिसर को स्वायत्त मॉडल में विकसित करने के लिए स्ववित्तीयन के लिए संचालन मॉडल को भी विकसित किया जाएगा। इस लाइब्रेरी में 50 हजार से अधिक किताबें उपलब्ध होंगी। जिसके साथ डिजिटल लाइब्रेरी, वाईफाई जोन, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें भी उपलब्ध होंगीं। लाइब्रेरी में आरएफ आईडी के द्वारा प्रवेश, बायोमेट्रिक आईडी, आरएफ आईडी द्वारा किताबों की ट्रेकिंग, सॉफ्टवेयर द्वारा किताबों का व्यवस्थापन की व्यवस्था होगी।

बिलासपुर हाईकोर्ट का नया रोस्टर

3 जुलाई से बदल जाएगी सुनवाई की व्यवस्था, मुख्य न्यायाधीश की बेंच सुनेगी जनहित याचिकाएं

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अदालत के कामकाज को बेहतर तरीके से चलाने के लिए नया रोस्टर यानी जजों की बैठकों और मामलों की सुनवाई की नई व्यवस्था जारी कर दी है। यह नई व्यवस्था 3 जुलाई से अगले आदेश तक पूरी तरह लागू हो जाएगी। नए रोस्टर के अनुसार अलग-अलग डिवीजन बेंच यानी दो जजों की पीठ और सिंगल बेंच यानी एक जज की पीठ के बीच मुकदमों का नए सिरे से बंटवारा किया गया है। इसके साथ ही रजिस्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों के काम भी तय कर दिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश की बेंच करेगी बड़े मामलों की सुनवाई

नए नियम के अनुसार मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की बड़ी बेंच जनहित याचिकाओं की सुनवाई करेगी। जनहित याचिका का मतलब ऐसे मामलों से होता है जिससे समाज के एक बड़े हिस्से का भला जुड़ा हो। इसके अलावा यह बेंच बंदी प्रत्यक्षीकरण यानी अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को कोर्ट के सामने पेश करने का मामला, गंभीर आपराधिक अपील, फांसी की सजा से जुड़े मामले, कोर्ट की अवमानना और एफआईआर निरस्त करने जैसी जरूरी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की दो जजों वाली बेंच को वे सभी आपराधिक मामले सौंपे गए हैं जो किसी दूसरी बेंच के पास नहीं हैं। वहीं जस्टिस संजय अग्रवाल और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच साल दो हजार सोलह से रुके हुए दोषमुक्ति यानी कोर्ट से बरी किए गए मामलों के खिलाफ आई अपीलों को सुनेगी।

जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की बेंच को सिविल मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। यह बेंच शादी-ब्याह और परिवार से जुड़े मुकदमों की पहली अपील, टैक्स यानी कर से जुड़े मामले, अलग-अलग ट्रिब्यूनल यानी विशेष अदालतों के फैसलों के खिलाफ आई याचिकाओं और व्यापारिक विवादों से जुड़े कमर्शियल मामलों की सुनवाई करेगी। इस नए बदलाव से कोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आने की उम्मीद है।

जनक राम ध्रुव के बाद चातुरी नंद का विरोध, सीएम को लिखा पत्र

विश्व केसरी

रायपुर। नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी को लेकर सियासी घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस विधायक जनक राम ध्रुव के बाद अब सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने भी साफ कर दिया है कि वे नकटी में बनने वाले सरकारी आवास को स्वीकार नहीं करेंगे।

चातुरी नंद ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर नकटी गांव में चल रही कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के घर उजाड़कर विधायकों के लिए कॉलोनी बनाना किसी भी हाल में उचित नहीं है।

अपने पत्र में विधायक ने बारिश के मौसम में बुलडोजर कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार के पास नवा रायपुर में पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध है, जहां आधुनिक और व्यवस्थित विधायक कॉलोनी बनाई जा सकती है। इससे गरीब परिवारों को बेघर होने से बचाया जा सकेगा। चातुरी नंद ने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उचित मुआवजे की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि विकास के नाम पर गरीबों की कीमत पर फैसले नहीं होने चाहिए।

वित्त मंत्री सीतारमण ने की फ्रांस दौरे की शुरुआत, आर्थिक और निवेश संबंधों को नई मजबूती देने पर रहेगा फोकस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को फ्रांस के आधिकारिक दौरे की शुरुआत की, जहां वह भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आर्थिक सहयोग को गहरा करने और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगी।

इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम फ्रांस के ऐक्स-एन-प्रोवेंस में आयोजित होने वाला भारत-फ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, औद्योगिक ऊर्जा और डिजिटल संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर करेंगे।

इस संवाद के दौरान दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों की तलाश करेंगे और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे।

फ्रांस प्रवास के दौरान वित्त मंत्री कई वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी

अधिकारियों (सीईओ) के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगी। इसके अलावा वह शीर्ष उद्योगपतियों के साथ एक गोलमेज चर्चा (राउंडटेबल) में भी हिस्सा लेंगी।

इन बैठकों में भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधार, बढ़ते निवेश अवसरों और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

निर्मला सीतारमण 'नई मध्यम वर्गीय आबादी के विकास को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा में भी भाग लेंगी। यह चर्चा लेस रेनकॉन्ट्रेंस इकोनॉमिक्स डी'ऐक्स-एन-प्रोवेंस के तहत आयोजित होगी, जिसे यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आर्थिक और सार्वजनिक नीति मंचों में से एक माना जाता है।

इस सम्मेलन का आयोजन ले सर्कल डेस इकोनॉमिस्ट्स द्वारा किया जाता है, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, केंद्रीय बैंक प्रमुख, उद्योगपति, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करते हैं।

अपने दौरे के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री कैडाराचे स्थित इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना का भी दौरा करेंगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु संलयन (न्यूक्लियर फ्यूजन) ऊर्जा परियोजनाओं में से एक है, जिसमें भारत और फ्रांस सहित 30 से अधिक देश साझेदार हैं।

इसके अलावा, वह कैम्पस साइबर का भी दौरा करेंगी, जिसे फ्रांस का राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास केंद्र माना जाता है।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून में 54.2 रहा, इनपुट लागत में कम हुआ महंगाई का दबाव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जून में गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 54.2 पर रहा है। यह जानकारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई डेटा में बुधवार को दी गई।

जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है तो आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है। इससे नीचे रहने पर आर्थिक गतिविधियों में गिरावट देखी जाती है।

पीएमआई आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि धीमी रही। कई निर्माताओं ने मांग में सुधार की सूचना दी, जबकि अन्य ने ग्राहकों की कम मांग और बाजार प्रतिस्पर्धा को इसका कारण बताया।

इस बीच, निर्यात मांग भी इस महीने सकारात्मक बनी रही, हालांकि वृद्धि की गति धीमी रही।

एसएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा कि जून के पीएमआई डेटा से पता चलता है कि मैन्युफैक्चरिंग

गतिविधियों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा, 'इस नरमी से पता चलता है कि मध्य पूर्व में चल रहे टकराव की वजह से आई शुरुआती तेजी के बाद अब मांग थोड़ी कम हुई है। आउटपुट, नए ऑर्डर, एक्सपोर्ट ऑर्डर और रोजगार में ग्रोथ धीमी हुई है, जबकि इनपुट और आउटपुट प्राइस इंडेक्स दोनों में गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल कम होने के साथ महंगाई का दबाव भी कम हो रहा है।'

पीएमआई डेटा के मुताबिक, इस महीने इनपुट और आउटपुट लागत में महंगाई का दबाव कम हुआ है।

लेकिन खरीद की गतिविधियों में कमी आई, जिससे कच्चे माल का स्टॉक धीमी गति से बढ़ा, जबकि तैयार माल की इन्वेंट्री में गिरावट आई और कंपनियों ने मौजूदा मांग के हिसाब से उत्पादन को समायोजित किया।

कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश में कानपुर-कबराई के बीच ग्रीनफील्ड राजमार्ग निर्माण को मंजूरी दी, 7145.14 करोड़ रुपए होंगे खर्च

विश्व केसरी ■

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनट कमेटी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ) कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल-कानपुर आर्थिक गलियारे के एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में 117.7 किलोमीटर लंबे कानपुर-कबराई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह चार लेन का एक्सेस-कंट्रोल्ड गलियारा है जिसमें भविष्य में छह लेन तक विस्तारित करने की व्यवस्था भी है।

कैबिनेट की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस परियोजना को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बीओटी (टोल) मोड पर कार्यान्वित किया जाएगा। इसकी कुल लागत 7,145.14 करोड़ रुपए आएगी। साथ ही, साथ ही एनएच-34 के मौजूदा कानपुर-कबराई खंड का संचालन और रखरखाव भी किया जाएगा।

बयान में आगे कहा गया कि यह परियोजना कानपुर और कबराई के बीच निर्बाध, उच्च गति की कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, साथ ही सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों तक आगे की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, जिससे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों को मध्य प्रदेश के खनिज-समृद्ध, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों से जोड़ने वाला एक आधुनिक पहुंच नियंत्रित आर्थिक गलियारा बनेगा।

80-100 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए डिजाइन किया गया यह कॉरिडोर कानपुर और कबराई के बीच यात्रा समय को 3.5 घंटे से घटाकर 1.5 घंटे (58 प्रतिशत) कर देगा, साथ ही सड़क सुरक्षा में सुधार करेगा, वाहन परिचालन लागत को कम करेगा और यात्री एवं माल यातायात की कुशल आवाजाही को सुगम बनाएगा। यह परियोजना एनएच-34, एनएच-35, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, कानपुर रिंग रोड और राज्य राजमार्ग एसएच-46, एसएच-91, एसएच-10बी और एसएच-42 के साथ रणनीतिक संपर्क भी प्रदान करेगी, जिससे क्षेत्रीय राजमार्ग नेटवर्क के साथ एकीकरण मजबूत होगा। यह कॉरिडोर कबराई खनन क्षेत्र से संपर्क को और मजबूत करेगा, खनिजों, औद्योगिक वस्तुओं, निर्माण सामग्री और कृषि उत्पादों की आवाजाही में सुधार करेगा, जिससे रसद दक्षता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

बयान के मुताबिक, पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, यह परियोजना 16 आर्थिक नोड से कनेक्टिविटी में सुधार करेगी।

जीएसटी संग्रह जून में 13.9 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपए रहा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सकल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह जुलाई में सालाना आधार पर 13.9 प्रतिशत बढ़कर 1,94,812 करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले साल समान अवधि में 1,71,105 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी सरकार की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कुल सकल जीएसटी में सीजीएसटी (सेंट्रल जीएसटी) की हिस्सेदारी 37,376 करोड़ रुपए, एसजीएसटी (स्टेट जीएसटी) की हिस्सेदारी 45,116 करोड़ रुपए और आईजीएसटी (इंटीग्रेटिड जीएसटी) की हिस्सेदारी 1,12,320 करोड़ रुपए रही है। इसमें आयात जीएसटी से प्राप्त 60,038 करोड़ रुपए भी शामिल है।

जून में जीएसटी रिफंड

32,436 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 25,121 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 29.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिफंड को हटाकर जून में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,62,377 करोड़ रुपए रहा है, जो कि जून 2025 में 1,45,984 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सकल जीएसटी संग्रह 6,31,699 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,82,542 करोड़ रुपए था। इसमें सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इस अवधि में सरकार ने 91,482 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया है, जिससे शुद्ध जीएसटी संग्रह 5,40,218 करोड़ रुपए रह गया है।

जून में जीएसटी संग्रह में शीर्ष पांच राज्यों में महाराष्ट्र (9,924 करोड़ रुपए), गुजरात (4,333 करोड़ रुपए), कर्नाटक (4,118 करोड़ रुपए), तमिलनाडु (3,639 करोड़ रुपए) और उत्तर प्रदेश (3,249 करोड़ रुपए) का नाम शामिल था।

इसके अतिरिक्त, आज से नौ वर्ष पहले 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी को पूरे देश में लागू किया गया था। इसे आजादी के बाद का अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार माना जाता है।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 444 अंक उछला, निफ्टी ने छुआ 24,000 का स्तर

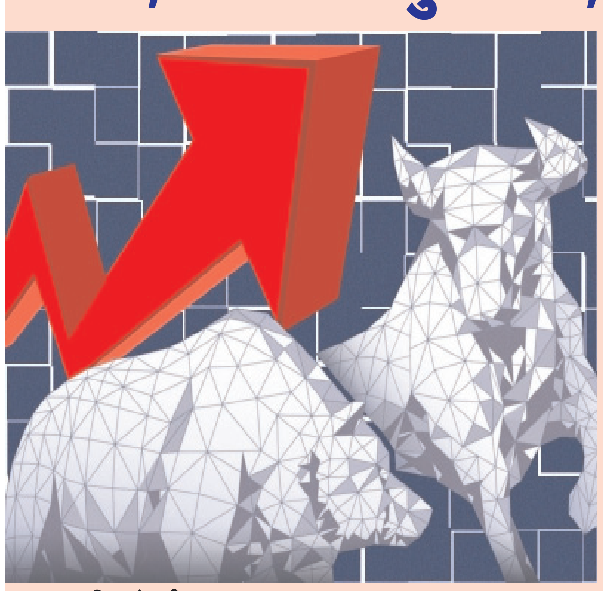

विश्व केसरी ■

मुंबई । वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, सेंसेक्स 443.97 अंकों यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,922.64 के स्तर पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 140.10 अंकों यानी 0.59 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,005.85 पर बंद होने में सफल रहा।

दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,478.67 से मामूली बढ़त के साथ 76,545.21 पर फ्लैट शुरुआत की थी, हालांकि दिन के कारोबार में इसने 631.41 अंकों यानी 0.82 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 77,110.08 का इंट्रा-डे हाई छुआ।

वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 23,865.75 से 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 23,897.65 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 24,049.90 का दिन का हाई टच किया, जो 0.77 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.34 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी (3.58 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी एफएमसीजी (2.08 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी ऑटो (1.15 प्रतिशत की तेजी) ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में इटरनल, अदाणी एंटरप्राइजेज, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, एचयूएल और अदाणी पोर्ट्स शामिल रहे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील शामिल रहे।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 474 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 476 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में 2 लाख करोड़ से अधिक का लाभ हुआ।

इस बीच, ब्रेंट क्रूड में 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था, वहीं भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 67 पैसे गिरकर 95.23 पर बंद हुआ।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डेली चार्ट पर निफ्टी ने एक बुलिश कैंडल बनाई। यह लगातार 12वां कारोबारी सत्र है, जब निफ्टी 477 अंकों की सीमित रेंज में कारोबार करता रहा, जो बाजार में जारी कंसोलिडेशन (एक सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव) को दर्शाता है। 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) मजबूत डायनेमिक सपोर्ट के रूप में काम कर रहा है और हर बार इस स्तर के करीब आने पर खरीदार सक्रिय होते दिखाई दे रहे हैं। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी रियल्टी सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा।

एयरलाइंस के लिए राहत, तेल कंपनियों ने एटीएफ के दाम करीब 5 रुपए प्रति लीटर घटाए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकारी तेल वितरक कंपनियों (ओएमसी) ने बुधवार से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत को 5 रुपए प्रति लीटर कम कर दिया है। इसकी वजह पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में कमी आना है।

ताजा नोटिफिकेशन के मुताबिक, दिल्ली में एटीएफ की कीमत घटकर लगभग 110 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो 1 जुलाई से लागू होगी।

कीमतों में हालिया कटौती से

घरेलू एयरलाइंस की ऑपरेटिंग लागत कम होने की उम्मीद है, हालांकि असल फायदा इस बात पर निर्भर करेगा कि हर एयरलाइन ईंधन कैसे खरीदती है और हेजिंग की क्या रणनीति अपनाती है।

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध को लेकर शांति वार्ता होने से मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव कम हो गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई है। इससे ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 73.21 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स का दाम घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल के नीचे 69.73 डॉलर प्रति बैरल पर गया है।

इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल पर शुल्क को बढ़ाया गया है। वहीं, डीजल और एटीएफ पर शुल्क कटौती की गई है। अब पेट्रोल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) बढ़कर 4 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जो कि पहले 1.5 रुपए प्रति लीटर था।

इसी अवधि के दौरान, डीजल के निर्यात पर शुल्क को घटाकर 8.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है, जो कि पहले 14 रुपए प्रति लीटर था।

एटीएफ निर्यात पर शुल्क को घटाकर 7.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है, जो कि पहले 12.5 रुपए प्रति लीटर था। हालांकि, घरेलू स्तर पर आपूर्ति किए जाने वाले पेट्रोल और डीजल के उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मारुति सुजुकी इंडिया की बिक्री जून में 2 लाख यूनिट्स के पार, टोयोटा ने दर्ज की 7 प्रतिशत की वृद्धि

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत के यात्री वाहन बाजार के लिए जून का महीना काफी अच्छा रहा है। इस दौरान देश की बड़ी ऑटो मोबाइल कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और हुंडई मोटर इंडिया का नाम शामिल है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने जून में 2,00,390 यूनिट्स की बिक्री की है। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 1,50,150 यूनिट्स और निर्यात 41,768 यूनिट्स रहा है। इसमें से 7,472 यूनिट्स मारुति ने दूसरी

वाहन कंपनियों को बेचे हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने जून में कुल 31,016 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने में हुई 28,869 यूनिट की बिक्री से 7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की बिक्री में 28,441 घरेलू यूनिट्स और 2,575 यूनिट्स का निर्यात शामिल था।

कंपनी के प्रदर्शन पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की मांग पर ध्यान केंद्रित करने की अपनी नीति से मिली सकारात्मक गति से उत्साहित है। हाल ही में लॉन्च की गई नई इनोवा क्रिस्टा, जिसमें अपडेटेड स्टाइलिंग और डिजाइन एलिमेंट्स हैं, को उसकी अपील और वैल्यू प्रपोजिशन के लिए बाजार से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।हुंडई मोटर इंडिया ने जून 2026 में कुल 51,335 यूनिट्स की मासिक बिक्री दर्ज की, जिसमें घरेलू बाजार में बेची गई 39,635 यूनिट्स और निर्यात की गई 11,700 यूनिट्स शामिल हैं।

हुंडई मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी ने यह बिक्री प्रदर्शन तब हासिल की जब उसके एक आपूर्तिकर्ता की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में आग लगने की घटना के कारण 13,900 यूनिट्स का प्रोडक्शन नुकसान हुआ, जिससे कुछ समय के लिए कंपोनेंट्स की सप्लाई बाधित हो गई थी।

क्या आपका बच्चा भी करता है ये 10 काम? स्कूल के मार्क्स नहीं, ये अनोखी आदतें बताती हैं कि बच्चा है 'जीनियस'

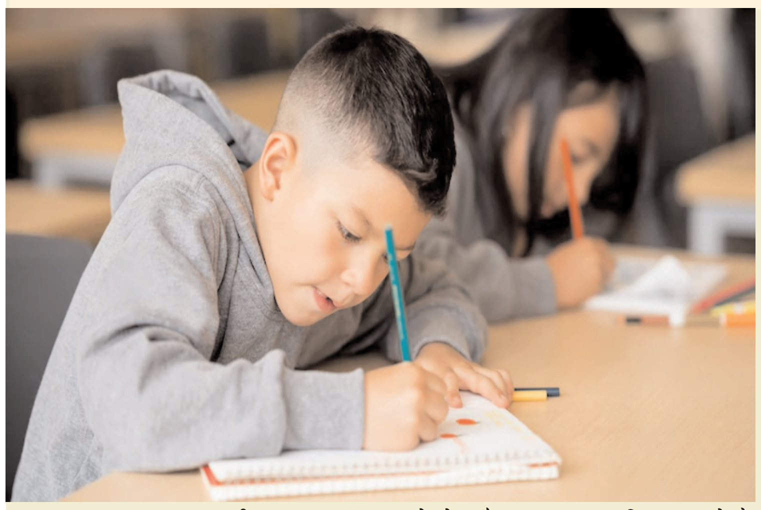

क्या आपका बच्चा भी हर बात पर 'क्यों' और 'कैसे' जैसे गहरे सवाल पूछता है? बच्चों की बुद्धिमत्ता सिर्फ स्कूल के मार्क्स से तय नहीं होती. उनकी कल्पनाशक्ति, गजब की याददाश्त और मुश्किलों को खुद सुलझाने की आदत जैसे ये 10 अनोखे लक्षण बताते हैं कि आपका बच्चा बेहद बुद्धिमान और जीनियस है. जानिए इन खास संकेतों को ताकि आप उनके टैलेंट को सही दिशा दे सकें.

माता-पिता के तौर पर हम अक्सर बच्चों की बुद्धिमत्ता (Intelligence) को उनके स्कूल के ग्रेड्स, अच्छे मार्क्स या जल्दी पढ़ना सीख लेने से जोड़कर देखते हैं. लेकिन असलियत में बच्चों का इंटेलिजेंस इससे कहीं आगे होता है. अक्सर एक बुद्धिमान बच्चे के लक्षण उनकी रोज़मर्रा की आदतों, उनकी जिज्ञासा, भावनाओं को समझने के तरीके और प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स में छिपे होते हैं.

बुद्धिमान बच्चे दुनिया को लॉजिक (तर्क) और क्रिएटिविटी (रचनात्मकता) के एक अनोखे मिश्रण के साथ देखते हैं. अगर समय रहते इन संकेतों को पहचान लिया जाए, तो माता-पिता उनके भविष्य को सही दिशा में निखार सकते हैं. आइए जानते हैं उन 10 बड़े लक्षणों के बारे में, जो इशारा करते हैं कि आपका बच्चा एक 'गॉड-गिफ्टेड' या बेहद बुद्धिमान बच्चा है:

गहरे और कभी न खत्म होने वाले सवाल पूछना (Profound Questions)- अगर आपका बच्चा बात-बात पर 'क्यों,' 'कैसे,' और 'ऐसा क्यों नहीं हो सकता' जैसे सवाल पूछता है। तो यह उसकी दिमागी उत्सुकता का बहुत बड़ा संकेत है. बुद्धिमान बच्चे किसी भी बात को आसानी से सच नहीं मान लेते; वे हर चीज़ के पीछे का कारण जानना चाहते हैं. उनके सवाल कई बार उनकी उम्र से इतने बड़े होते हैं कि बड़ों को भी सोच में डाल देते हैं.

अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझना (Emotional Intelligence)- बुद्धिमत्ता सिर्फ पढ़ाई में तेज़ होना नहीं है।

स्मार्ट बच्चे दिमागी तौर पर मजबूत होने के साथ-साथ इमोशनली भी बहुत मैच्योर होते हैं। वे न सिर्फ अपनी भावनाओं को अच्छे से व्यक्त कर पाते हैं, बल्कि दूसरों के दुख या घर के माहौल के तनाव को भी तुरंत भांप लेते हैं और अपने दोस्तों को सांत्वना देते हैं.

खुद से समस्याओं को सुलझाने की कोशिश (Independent Problem Solving)- स्मार्ट बच्चे किसी मुश्किल काम या पहेली में फंसने पर तुरंत मदद नहीं मांगते. वे खुद से चीज़ों को उलट-पुलट कर देखेंगे, गलतियाँ करेंगे और तब तक हार नहीं मानेंगे जब तक खुद हल न ढूंढ लें. यह दृढ़ता (Persistence) उनके क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को दर्शाती है।

सुबह कितने बजे ब्रेकफास्ट करना चाहिए? डाइटिशियन ने बताया सही समय, बीमारियों का खतरा होगा दूर

कई लोग सुबह उठने के आधा घंटा बाद ब्रेकफास्ट कर लेते हैं, तो कुछ लोग दोपहर तक भूखे रहते हैं. डाइटिशियन के मुताबिक सुबह उठने के 1 से 2 घंटे के अंदर पौष्टिक नाश्ता करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है. प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट से भरपूर नाश्ता दिनभर की एनर्जी और खान-पान के रूटीन को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है. रोज सही समय पर लंच और डिनर करना भी हेल्थ के लिए जरूरी माना जाता है.

अच्छी सेहत के लिए ब्रेकफास्ट करना जरूरी होता है. सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसे स्किप करना बेहद नुकसानदायक माना जाता है. कई लोग सुबह उठकर जल्दी नाश्ता कर लेते हैं, जबकि कुछ लोग सुबह उठने के घंटों बाद नाश्ता करते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ब्रेकफास्ट का कोई फिक्स टाइम नहीं होता है, लेकिन सभी लोगों को रोज पौष्टिक नाश्ता जरूर करना चाहिए. इससे लोगों को एनर्जी लेवल बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है और अनहेल्दी फूड्स की क्रेविंग नहीं होती है. नाश्ता दिन का सबसे जरूरी मील माना जाता है.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने ह्व2ह्व18 को बताया ज्यादातर लोगों को सुबह उठने के 1 से 2 घंटे के भीतर हेल्दी ब्रेकफास्ट कर लेना चाहिए. अगर आप सुबह 6:30 बजे उठते हैं, तो 7:30 से 8:30 बजे के बीच नाश्ता कर लेना चाहिए. अगर आप सुबह 8 बजे उठते हैं, तो 10 बजे तक नाश्ता करना फायदेमंद होगा. ब्रेकफास्ट में सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं है, बल्कि नाश्ता हेल्दी होना चाहिए. इसमें प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट शामिल करें. नाश्ते में ओट्स, दलिया, अंडे, दही, अंकुरित अनाज, पनीर, फल, सूखे मेवे या मल्टीग्रेन ब्रेड के साथ पीनट बटर जैसे विकल्प बेहतर होते हैं.

डाइटिशियन के मुताबिक अगर आप लंबे समय तक खाली पेट रहते हैं, तो कुछ लोगों को ज्यादा भूख लग सकती है और वे बाद में जरूरत से ज्यादा खा सकते हैं. नियमित समय पर ब्रेकफास्ट करने से पूरे दिन खाने का पैटर्न संतुलित रहता है. ब्रेकफास्ट के साथ पर्याप्त पानी पीना, नियमित व्यायाम करना और अच्छी नींद लेना भी जरूरी होता है है. अगर आप इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसी किसी विशेष डाइट का पालन कर रहे हैं, तो आप इस बारे में डाइटिशियन से सलाह ले सकते हैं. इसके अलावा डायबिटीज, थायरॉयड या अन्य बीमारी से जूझ रहे हैं, तो भी डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेना बेहतर रहेगा.

एक्सपर्ट की मानें तो अगर आप नियमित रूप से ब्रेकफास्ट छोड़ देते हैं, तो कुछ लोगों को सुबह के समय भूख, थकान, चिड़चिड़ापन या ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस हो सकती है. लंबे समय तक खाली पेट रहने से बाद के ओवरईटिंग का खतरा बढ़ जाता है. यही वजह है कि सुबह जागने के 1 से 2 घंटे के भीतर संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करना चागिए. सही खान-पान, पर्याप्त नींद और एक्टिव लाइफस्टाइल से आपकी सेहत बेहतर हो सकती है।

घरों के बाहर ग्रीन चादर यों लगाई जाती है, जानें इसे लगाने के या फायदे हैं?

गर्मियों में घरों के बाहर लगने वाली ग्रीन नेट धूप और गर्मी कम करती है, घर ठंडा रखती है, बिजली बचाती है, धूल और प्रदूषण रोकती है और प्राइवेसी बढ़ाती है. इसे कई लोग अपनी जरूरत के हिसाब से इसका उपयोग करते हैं.

अक्सर आपने देखा होगा कि गर्मियों के मौसम में लोग अपने घरों, दुकानों या इमारतों के बाहर हरे रंग की जाली या चादर (ग्रीन नेट/ग्रीन शेड) लगा देते हैं. यह सिर्फ सजावट के लिए नहीं, बल्कि कई व्यावहारिक फायदों के लिए भी लगाया जाता है. खासकर उत्तर भारत जैसे गर्म इलाकों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है. आइए जानते हैं कि घरों के बाहर ग्रीन चादर क्यों लगाई जाती है और इसके क्या फायदे हैं.

ग्रीन चादर क्या होती है?

ग्रीन चादर को आमतौर पर 'शेड नेट' या 'ग्रीन नेट' कहा जाता है. यह प्लास्टिक या फाइबर से बनी जालीदार चादर होती है, जो हरे रंग की होती है और धूप को आंशिक रूप से रोकती है. इसे बालकनी, छत, खिड़कियों या मकान के बाहर लगाया जाता है.

ग्रीन चादर लगाने के फायदे

1. तेज धूप से बचाव

ग्रीन नेट का सबसे बड़ा फायदा है कि यह सूरज की तेज किरणों को सीधे घर में आने से रोकता है. इससे घर के अंदर तापमान कम रहता है और धूप की चुभन भी कम महसूस होती है।

एसी चालू कर कार में हो सो गया शख्स, सुबह मिला मृत, आखिर मौत की क्या रही वजह, एक्सपर्ट से समझें

राजस्थान में एक व्यक्ति कार में एसी चलाकर सो गया. वह जब गहरी नींद में सो रहा था तभी गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो गया. लेकिन वह जाग नहीं सका. सुबह जब लोगों ने देखा तो वह व्यक्ति कार में मृत मिला. आखिर बंद कार में एसी चलाने से ऐसी कौन सी स्थितियां पैदा हो गई जिससे व्यक्ति की मौत हो गई. क्या यह सिर्फ दम घुटने का मामला है या इसके पीछे कोई जहरीली गैस का खेल है? आज की इस रिपोर्ट में हमने इस बात की वैज्ञानिक पड़ताल करने के लिए सी के बिड़ला अस्पताल में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. तुषार तायल से बात की.

अगर कार में एसी चलाकर कोई व्यक्ति सो जाए तो क्या उसकी मौत हो सकती है. राजस्थान में हाल ही में एक घटना ने इसी तरह के वाकये से लोगों को सन्न कर दिया है. ऐसा कहा जा रहा कि 37 साल का एक व्यक्ति कार में एसी चलाकर सो गया. गाड़ी में देर तक एसी चलता रहा. जब कार में पेट्रोल खत्म हो गया तो एसी भी बंद हो गया लेकिन व्यक्ति नींद से नहीं उठा. दिन में पार्क गाड़ी में जब कोई हलचल नहीं हुई तो 1 बजे के करीब लोगों ने मुयाअना किया. इसके बाद वह व्यक्ति कार की सीट पर मृत मिला. इस घटना के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या कार में एसी चलाकर सोने से किसी व्यक्ति की मौत हो सकती है. आखिर इसकी वजह क्या हो सकती है. इसी बात को जानने के लिए हमने सी के बिड़ला अस्पताल में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. तुषार तायल से बात की.

क्या हो सकता है कारण

डॉ. तुषार तायल ने बताया कि इस केस में मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड का रिसाव बड़ा कारण हो सकता है. हालांकि वास्तविक कारण तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा लेकिन जब कार बंद हो और कार का इंजन चालू हो तो वह कार्बन मोनोऑक्साइड गैस छोड़ता है. यह गैस रंगहीन और गंधहीन होती है, इसलिए इसका पता नहीं चलता. यदि कार की सील कहीं से ढीली हो या एग्जॉस्ट सिस्टम में कोई खराबी हो, तो यह जहरीली गैस कार के अंदर रिसने लगती है. कार्बन मोनोऑक्साइड खून के हीमोग्लोबिन में घुलने लगता है जिसके कारण हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन को कैरी नहीं कर पाता है और शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है. इससे व्यक्ति की दम घुटने से मौत हो सकती है. कार्बन मोनोऑक्साइड के अलावा कार में ऑक्सीजन की कमी भी इसके संभावित कारण हो सकते हैं. कार के अंदर जगह सीमित होती है. यदि कार के सभी शीशे बंद हों और एसी री-सर्कुलेशन मोड पर हो, तो कार के अंदर बाहर से हवा नहीं आती है. इससे कार में ऑक्सीजन की भारी कमी होने लगती है और कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ने लगता है. यह स्थिति दम घुटने का कारण बनती है.

पेट्रोल खत्म होने और एसी बंद होने का संबंध

जब किसी कार में पेट्रोल खत्म हो जाता है और इंजन बंद हो जाता है ऐसे में एसी भी बंद हो जाता है. इस स्थिति में हवा का संचार रुक जाता है।

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर: सफलता तो बस शुरुआत, मुति ही असली मंजिल, अष्टावक्र ने राजा जनक को बताया इसका उपाय

जो लोग सफल नहीं होते उन्हें हमेशा सफल होने की चिंता रहती है लेकिन जो लोग सफल नहीं होते उनमें सब कुछ हासिल कर लेने के बाद भी मन में एक अनकही बेचैनी क्यों बनी रहती है? हम सफलता की अंधी दौड़ में तो भाग रहे हैं, लेकिन क्या हम भीतर से स्वतंत्र हैं? प्राचीन मिथिला के राजा जनक भी इसी सवाल से जूझ रहे थे, जिसका समाधान उन्हें महर्षि अष्टावक्र के दिव्य संवाद 'अष्टावक्र गीता' में मिला. यह लेख न केवल आपको बंधन और मुक्ति का वास्तविक अर्थ समझाएगा, बल्कि उन 5 जीवन-मूल्यों से भी रूबरू कराएगा, जिन्हें अपनाकर आप भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच भी पूरी तरह सहज, शांत और मुक्त रह सकते हैं.

अधिकांश लोग सफलता की खोज में जीवन बिताते हैं. लेकिन एक समय ऐसा आता है जब अनुभव होता है कि मन की सबसे बड़ी खोज सफलता नहीं, बल्कि भीतर की स्वतंत्रता है. क्या आपने कभी सोचा है कि जीवन में सब कुछ होते हुए भी भीतर एक अनकही बेचैनी क्यों बनी रहती है? अच्छी नौकरी, परिवार, सुविधाएं और उपलब्धियां होने के बाद भी मन किसी गहरे संतोष की खोज में लगा रहता है. भारतीय अध्यात्म में इसे एक विशेष सौभाग्य माना गया है क्योंकि मुक्ति की इच्छा तभी जन्म लेती है जब चेतना जागने लगती है.

राजा जनक ने देखा स्वप्न

प्राचीन कथा के अनुसार एक दिन मिथिला के राजा जनक अपने राज्य के कार्यों और समाचारों को सुन रहे थे. तभी उन्हें हल्की-सी झपकी आ गई और उन्होंने एक विचित्र स्वप्न देखा. स्वप्न में उनके पूरे राज्य में भीषण अकाल पड़ा हुआ था. वे स्वयं भोजन की तलाश में दर-दर भटक रहे थे और लोगों से भिक्षा मांग रहे थे।

वेस्टर्न घाट से हिमालय तक! भारत के ये 5 विस्टाडोम ट्रेन रूट्स, जहां खिड़की से दिखता है स्वर्ग जैसा नजारा!

अगर आप रेलवे से यात्रा के शौकीन हैं और सफर के दौरान प्रकृति के खूबसूरत नजारों का आनंद लेना चाहते हैं, तो भारत में वेस्टर्न घाट से लेकर हिमालय तक कई ऐसे विस्टाडोम ट्रेन रूट्स हैं, जो किसी जन्नत से कम नहीं लगते हैं.

अगर आपको ट्रेन से सफर करना पसंद है और आप रास्ते में खूबसूरत नज़ारों का मज़ा लेना चाहते हैं, तो विस्टाडोम कोच में सफ़र करना एक शानदार अनुभव हो सकता है. इन खास कोच में कांच की बड़ी खिड़कियां, कांच की छतें, 360-डिग्री घूमने वाली सीटें और शानदार व्यूइंग एरिया होते हैं, जिनसे आप पहाड़ों, झरनों, जंगलों और घाटियों को करीब से देख सकते हैं।

वेस्टर्न घाट से लेकर हिमालय तक, भारत में कई ऐसे विस्टाडोम ट्रेन रूट हैं जो किसी स्वर्ग से कम नहीं लगते. आइए ऐसे ही 5 शानदार रूट के बारे में जानते हैं.

कालका-शिमला विस्टाडोम ट्रेन (हिमाचल प्रदेश) : कालका-शिमला रेलवे लाइन, जो हश्वस्ष्टह की वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, भारत के सबसे खूबसूरत ट्रेन रूट में से एक है. विस्टाडोम कोच में यात्रा करने पर देवदार के जंगलों, सुरंगों, पुलों और हरी-भरी घाटियों के शानदार नज़ारे देखने को मिलते हैं.

न्यू जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) : दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की यात्रा अपने आप में यादगार होती है. विस्टाडोम कोच एक अनोखा अनुभव देता है, जिसमें कंचनजंगा की चोटियों, चाय के बागानों और बादलों से ढके पहाड़ों के नज़ारे दिखाई देते हैं.

श्रीनगर-बनिहाल (जम्मू-कश्मीर) : कश्मीर घाटी से होकर गुज़रने वाली विस्टाडोम ट्रेन की यात्रा में यात्रियों को बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे-भरे घास के मैदानों, सेब के बागों और सुरंगों के शानदार नज़ारे देखने को मिलते हैं. यह रूट हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से अनुभव करने का एक शानदार मौका देता है.

मडगांव-करमाली (गोवा) : गोवा का यह विस्टाडोम रूट वेस्टर्न घाट्स की खूबसूरती को करीब से देखने का मौका देता है. घने जंगल, सुरंगें, नदियाँ और मॉनसून के मौसम में गिरते झरने इस यात्रा को वाकई रोमांचक बनाते हैं.

बेलगावी-कैसल रॉक-वास्को डी गामा (कर्नाटक-गोवा) : यह रूट ब्रागांज़ा घाट्स से होकर गुज़रता है, जिसे भारत के सबसे खूबसूरत रेलवे सेक्शन में से एक माना जाता है. यात्री वेस्टर्न घाट्स के घने जंगलों, गहरी घाटियों और शानदार दूधसागर झरने के नज़ारों को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं.

अगर आप सिर्फ़ मंज़िल का ही नहीं, बल्कि सफ़र का भी पूरा मज़ा लेना चाहते हैं, तो भारत के ये 5 विस्टाडोम ट्रेन रूट आपकी ट्रैवल लिस्ट में ज़रूर होने चाहिए. वेस्टर्न घाट्स की हरियाली से लेकर हिमालय की बर्फ़ीली चोटियों तक, बड़ी-बड़ी शीशे की खिड़कियों से दिखने वाला हर नज़ारा किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता. परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ, यह रेल सफ़र आपको ऐसा अनुभव देगा जिसे आप ज़िंदगी भर याद रखेंगे।

रिया चक्रवर्ती: 2020 के मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों से दूर हुईं तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

"कठिन समय ने मुझे नया रास्ता चुनना सिखाया'
– रिया चक्रवर्ती

रिया चक्रवर्ती: एक झलक

- जन्म: 1 जुलाई 1992 (बंगाली परिवार)
- पिता: इंद्रजीत चक्रवर्ती (भारतीय सेना में रहे)
- स्कूल: आर्मी पब्लिक स्कूल, अंबाला कैंट
- करियर की शुरुआत: 2009 (MTV शो)

मुंबई । अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है।

रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एनटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज – कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई।

हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थी, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी।

जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

रिया की जर्नी: मुश्किलों से सफलता तक

2009 – MTV रियलिटी शो से करियर की शुरुआत

2013 – बॉलीवुड में डेब्यू और फिल्मों से पहचान

2020 – विवादों और कानूनी जांच का मुश्किल दौर

2023-2025 – फैशन ब्रांड 'Chapter 2 Drip' से नई पहचान और सफलता

रणबीर कपूर की दरियादिली के मुरीद हुए अभिनेता जाहिद खान, बताया काम करने का अनुभव

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेता जाहिद खान ने रणबीर कपूर के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया है। जाहिद, नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म 'रामायण' में अंगद की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

मीडिया के साथ विशेष बातचीत में जाहिद ने बताया कि फिल्म के सेट पर रणबीर कपूर की दरियादिली ने उन पर गहरी छाप छोड़ी।

उन्होंने कहा, 'उन्हें काम करते देखना अपने आप में एक सीखने जैसा अनुभव था। एक सीन के दौरान कैमरा किसी दूसरे अभिनेता पर फोकस था और रणबीर सर कैमरे के पीछे खड़े होकर उन्हें संकेत दे रहे थे, ताकि उनकी परफॉरमेंस और बेहतर हो सके। उन्हें ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन वे चाहते थे कि सीन और बेहतर बने। उनकी यही दरियादिली ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इससे मुझे उन दिनों की याद आ गई, जब दोस्त ऑडिशन के दौरान एक-दूसरे की मदद किया करते थे।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें रणबीर कपूर के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने का मौका मिला, तो उन्होंने कहा, 'ज्यादा नहीं। हमने साथ में कुछ सीन किए। मैं ज्यादातर उन्हें देखकर और उनसे सीखकर ही आगे बढ़ा।

अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अजमल कसाब का किरदार निभाने के बाद उन्हें इस बात की चिंता थी कि कहीं उन्हें एक जैसी भूमिकाओं तक ही सीमित न कर दिया जाए। हालांकि, 'रामायण' में अंगद का किरदार मिलने से उनकी यह चिंता काफी हद तक दूर हो गई

उन्होंने कहा, 'हां, मैं निश्चित रूप से चिंतित था। यही एक वजह थी कि शुरुआत में मैंने यह भूमिका स्वीकार करने में हिचकिचाहट दिखाई थी। लेकिन दिलचस्प बात यह रही कि 'भारत भाग्य विधाता' के बाद मुझे 'रामायण' में काम करने का मौका मिला। मुझे सिर्फ खलनायक या आतंकवादी जैसे किरदार नहीं दिए गए, बल्कि अंगद जैसा बिल्कुल अलग किरदार निभाने का अवसर भी मिला। इससे मुझे भरोसा मिला कि अगर प्रशिक्षित कलाकारों को मौका दिया जाए, तो वे किसी भी तरह का किरदार निभा सकते हैं।' अंगद की भूमिका की तैयारी के बारे में बात करते हुए जाहिद ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए अपेक्षाकृत आसान रहा, क्योंकि 'भारत भाग्य विधाता', जिसमें उन्होंने अजमल कसाब की भूमिका निभाई थी।

हिमानी शिवपुरी ने याद किया विजय मेहता का योगदान, कहा- उन्होंने मुझे एक नया कलाकार बना दिया

विश्व केसरी

मुंबई । वेटरन अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने दिवंगत थिएटर दिग्गज विजया मेहता को याद किया। उन्होंने बताया कि विजय मेहता ने न सिर्फ उन्हें मंच पर काम करने का मौका दिया, बल्कि उनके अभिनय करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया और एक नई पहचान बनाने में मदद की।

हिमानी शिवपुरी ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, ''मुझे नाटक 'हमीदाबाई की कोठी' में विजय मेहता के साथ काम करने का अवसर मिला था। इसी दौरान मैंने महसूस किया कि विजया मेहता एक ऐसी निर्देशक थीं, जो कलाकार को अंदर से गढ़ती थीं। उनके साथ काम करना एक सीखने की प्रक्रिया थी, जिसने मेरे पूरे करियर को नई दिशा दी। अभिनेत्री ने आगे बताया, ''जब लोग उस नाटक को देखने आते थे, तो अक्सर मेरे अभिनय की तारीफ करते हुए कहते थे कि मेरी आवाज, चाल और मंच पर मौजूदगी पहले से बिल्कुल अलग है। यह बदलाव किसी और का नहीं, बल्कि केवल विजया मेहता की ट्रेनिंग का परिणाम था। उन्होंने मुझे एक ऐसा आत्मविश्वास दिया, जिसने मुझे मंच पर खुलकर अपने किरदार को जीने की ताकत दी। हिमानी शिवपुरी ने विजया मेहता को याद करते हुए एक पुरानी तस्वीर भी साझा की लिखा, ''विजया मेहता, जिन्हें लोग प्यार से 'बाई' कहते थे, अब हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनकी सीख हमेशा जीवित रहेगी। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतने बड़े व्यक्तित्व के साथ काम करने का अवसर मिला। वह हर कलाकार को भीतर से बदल देती थीं ।

काजोल का मजेदार अंदाज, बोलीं- 'जो मेरी पोस्ट पसंद करते हैं, वही सबसे ज्यादा खुश, समझदार और खूबसूरत हैं'

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपने चुलबुले अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। वह जब भी सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करती हैं तो उनके फैंस उसे खूब पसंद करते हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी एक नई फोटो पोस्ट की, लेकिन उससे ज्यादा चर्चा उनके साथ लिखे गए मजेदार कैप्शन की हो रही है।

काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक मुस्कुराती हुई सेल्फी पोस्ट की।

यह सेल्फी उन्होंने कार के अंदर क्लिक की है। लुक की बात करें तो वह पिंक कलर की साड़ी में नजर आ रही है। इसके साथ उन्होंने डायमंड और रूबी चोकर नेकलेस पहना हुआ है। लाइट मेकअप के साथ उनका लुक काफी आकर्षक लग रहा है।

तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मेरी बनाई हुई एक स्टडी के अनुसार, जो लोग मेरे पोस्ट लाइक करते हैं, वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश, ज्यादा इंटेलिजेंट और बेहतर दिखने वाले होते हैं, जो उन्हें लाइक नहीं करते।''

अगर काजोल के अभिनय सफर की बात करें तो उन्होंने साल 1992 में 'बेखुदी' फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने लगातार कई सफल फिल्मों जैसे- 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'करण अर्जुन', 'गुप्त', 'प्यार तो होना ही था', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'फना', 'माय नेम इज खान', 'दिलवाले', 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर' और 'लस्ट स्टोरीज 2' में काम किया।

फैंस उनकी जोड़ी को अभिनेता शाहरुख खान के साथ ज्यादा पसंद करते है। वह मशहूर अभिनेत्री तनुजा और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं।

उन्होंने साल 1999 में अभिनेता अजय देवगन से शादी किया। दोनों के दो बच्चे हैं, बेटी न्यासा देवगन और बेटा युग देवगन।

समय के साथ बदल रही हैं टीवी की कहानियां, अब मनोरंजन के साथ समाज को जागरूक करना भी जरूरी : ईशा सिंह

विश्व केसरी

मुंबई । टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए सीरियल 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरियल में वह एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो ऑटिज्म से जुड़ी चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है। इसी बीच ईशा सिंह ने आईएएनएस से टेलीविजन की बदलती कहानियों, दर्शकों की नई पसंद और समाज से जुड़े विषयों पर अपनी राय पेश की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल मनोरंजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि शो के जरिए लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी हो गया है।

मीडिया से बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, ''समय के साथ टीवी की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां सीरियल्स में केवल पारिवारिक रिश्तों और मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब ऐसे विषयों को भी जगह मिल रही है जो समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज के दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक हैं और वे ऐसी कहानियां देखना पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। यही वजह है कि निर्माता और लेखक भी अब ऐसे विषय चुन रहे हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करें।''

उन्होंने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी टेलीविजन की कहानियों को नई दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अब वही शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जिनमें मनोरंजन के साथ मैसेज भी हो। आखिरकार टीवी पर वही दिखाया जाता है जिसे दर्शक देखना चाहते हैं। अगर लोगों की पसंद बदलती है तो कार्यक्रमों की कहानियां भी बदलना स्वाभाविक है, इसलिए

आज ऐसे विषयों पर काम किया जा रहा है जो समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हों और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें।''

ईशा ने कहा, ''टीवी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा दिखाने का एक जरिया भी है। अगर किसी शो के जरिए लोगों को किसी सामाजिक विषय के बारे में जानकारी मिलती है, तो उसका असर लाखों परिवारों तक पहुंच सकता है। ऐसे शोज लोगों की सोच बदलने और संवेदनशील विषयों को समझने में मदद करते हैं। इसलिए कलाकारों और कार्यक्रम बनाने वालों की जिम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

रवि किशन ने शो 'अलायंस' को कहा अलविदा, बोले- 'ड्यूटी पूरी हुई, अब गोरखपुर लौट रहा हूं'

विश्व केसरी

मुंबई । रियलिटी शो 'अलायंस' से अभिनेता और राजनेता रवि किशन की विदाई के बाद सेट पर भावुक माहौल बन गया। उनके जाते ही कई कंटेस्टेंट्स की आंखें नम हो गईं। शो के दौरान रवि किशन ने 'रवि की हिंदी पाठशाला' सेगमेंट से दर्शकों का भी ध्यान अपनी और खींचा।

विदाई के समय रवि किशन ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मुझे शो में बहुत प्यार और सम्मान मिला है। मैंने अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाई है और अब मेरे लिए वापस अपने जीवन और जिम्मेदारियों की ओर लौटने का समय आ गया है। जनता के वोट ने मुझे एक नया संदेश दिया है, और अब मैं गोरखपुर लौट रहा हूं, जहां मेरा घर है। शो के कंटेस्टेंट निखिल चिनापा ने कहा कि मैंने रवि किशन से बहुत कुछ सीखा है। उनकी बातों और अनुभवों ने मुझे कई बार नई सोच दी। वहीं अरमान खेड़ा भी इतने भावुक हो गए कि उन्होंने अपनी कमाई तक रवि किशन को सौंप दी और रो पड़े। पायल गेमिंग ने कहा कि हमें रवि किशन की मौजूदगी बहुत याद आएगी।

होस्ट कुणाल खेमू ने भी रवि किशन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''उनकी एनर्जी और बातचीत का तरीका सभी को एक अलग ही दुनिया में ले जाता था। शो के पहले दिन से ही रवि ने सभी पर गहरी छाप छोड़ी थी।

एमओयू की शर्तें पूरी न होने तक अमेरिका के साथ अंतिम समझौता नहीं करेगा ईरानः स्पीकर कालीबाफ

विश्व केसरी

तेहरान । ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने अमेरिका के साथ हुए शांति समझौते पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षरित शांति समझौता ज्ञापन के कुछ प्रावधान लागू नहीं किए जाते, तब तक ईरान अंतिम समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत शुरू नहीं करेगा।

स्पीकर मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। उन्होंने शांति समझौते को लागू करने और अमेरिका के साथ बातचीत से जुड़े हालिया घटनाक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने कहा कि ईरान प्रतिनिधिमंडल की हालिया स्विट्जरलैंड यात्रा का उद्देश्य लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने, अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने, ईरानी कच्चे तेल के निर्यात के लिए अमेरिकी छूट जारी करने और ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को जारी करने से जुड़े एमओयू (समझौता ज्ञापन) की शर्तों को लागू करना था।

कालिबाफ ने कहा कि जब तक इन पांच शुरुआती प्रावधानों की शर्तें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक बाकी प्रावधानों को लागू करने का काम शुरू नहीं होगा।उन्होंने कहा कि ईरान, अमेरिका और लेबनान युद्धविराम लागू करने, लेबनान में युद्ध खत्म करने और लेबनान की संप्रभुता बनाए रखने के लिए एक संयुक्त समिति बनाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तीन पक्षों में से दो, ईरान और अमेरिका ने पहले ही अपने प्रतिनिधि चुन लिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत का रास्ता भी अपनाता है और जहां जरूरी हो, वहां बलपूर्वक जवाब भी देता है।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोहा में होने वाली अगली वार्ता से पहले ईरान परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत हो गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका कूटनीतिक और सैन्य, दोनों स्तरों पर प्रगति कर रहा है और साथ ही कहा कि तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।ट्रंप ने कहा कि अधिकारी मंगलवार को प्रस्तावित वार्ता के लिए पहले ही कतर रवाना हो चुके हैं। ट्रंप ने कहा, 'दोहा में इस बारे में एक बैठक होगी। देखते हैं कि वह कैसी रहती है। दोहा की बैठक शायद अहम हो, या शायद न हो। यह हमें पता चल जाएगा।'

राष्ट्रपति ने बातचीत को लेकर उम्मीद जताई और कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद अमेरिका का पलड़ा भारी हो गया है।

बता दें कि 18 जून को ईरान और अमेरिका ने क्षेत्र में युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो ने बजट नियम पर महासभा के फैसले का किया स्वागत

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महासभा की ओर से अप्रयुक्त बजटीय धनराशि से जुड़े वित्तीय नियमों में बदलाव के फैसले का स्वागत किया है। गुटेरेस ने एक बयान में कहा, 'मैं महासभा के उस फैसले का स्वागत करता हूं, जिसमें उन वित्तीय नियमों में सुधार किया गया है, जिनसे संगठन की स्थिरता पर खतरा मंडरा रहा था। महासभा ने मतदान के जरिए चार साल के परीक्षण काल के लिए एक नया तरीका अपनाने पर सहमति जताई है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बिना खर्च हुए फंड (अप्रयुक्त धनराशि) सदस्य देशों को तभी लौटाए जाएं, जब उसके लिए वास्तविक नकद राशि उपलब्ध होगी।'

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक वित्तीय नियम के तहत संयुक्त राष्ट्र को हर बजट अवधि के आखिरी में अप्रयुक्त बजटीय आवंटन को सदस्य देशों को क्रेडिट के रूप में लौटाना पड़ता है, जिसमें बकाया राशि भी शामिल है। मंगलवार को महासभा के फैसले से इस नियम में बदलाव किया गया है। गुटेरेस ने कहा, 'इस फैसले से हम संसाधनों, खासकर नियमित और शांति-रक्षा बजट के लिए अधिक अनुमानित और जिम्मेदार तरीके से प्रबंधन कर पाएंगे। साथ ही, सदस्य देशों से मिले आदेशों को बेहतर ढंग से पूरा कर पाएंगे।

गुटेरेस ने कहा कि वे अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही इस बदलाव की मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव वैश्विक संस्था के कामकाज को तुरंत और बिना रुकावट जारी रखने, खासकर शांति-स्थापना अभियानों के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, 'अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही मैं इस बदलाव की मांग करता रहा हूं, और इस अहम कदम को उठाने के लिए मैं सदस्य देशों का आभारी हूं।'

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने कहा, 'इस अहम बदलाव से मेरे उत्तराधिकारी को बहुत फायदा होगा। उन्हें अब उन फंड्स को लौटाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा जो अक्सर उन्हें कभी मिले ही नहीं थे।' बता दें कि गुटेरेस का कार्यकाल इस साल के आखिर में खत्म हो रहा है।

पाकिस्तानः पेशावर में ड्रोन हमला महिला की मौत और छह घायल

विश्व केसरी

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर के बाहरी इलाके में संदिग्ध ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार देर रात को हसन खेल सब-डिवीजन के पस्तावाना इलाके की है।घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।डॉन ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि, घायल सातों लोग एक ही परिवार से थे। शुरुआती जानकारी में बताया गया था कि एक महिला की हालत बेहद गंभीर थी। बाद में स्थानीय लोगों ने बताया कि शेर मस्त और उनका 15 वर्षीय बेटा अब भी पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।हसन खेल के एक स्थानीय बुजुर्ग ने पुष्टि की कि शेर मस्त की बहू ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है । कि ड्रोन हमला किसने किया और इसका उद्देश्य क्या था।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय की अमेरिकी लॉमेकर्स से मुलाकात, हिंदू विरोधी नफरत और बढ़ती भागीदारी पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के हिंदू समुदाय ने अपनी आवाज को मजबूत करते हुए अमेरिकी लॉमेकर्स के सामने हिंदू विरोधी नफरत, सामाजिक भागीदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे अहम मुद्दे उठाए। यह पहल कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (सीओएचएनए) की ओर से आयोजित पांचवें वार्षिक 'हिंदू डे ऑफ एडवोकेसी' कार्यक्रम के दौरान की गई। अमेरिकी संसद परिसर (यूएस कैपिटल) में आयोजित इस पूरे दिन के कार्यक्रम में 14 राज्यों से करीब 160 लोगों ने हिस्सा लिया। आयोजकों के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल ने सीनेटरों और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के सदस्यों के साथ 50 से अधिक बैठकें कीं। इसके अलावा उन्होंने करीब 170 कांग्रेस कार्यालयों का दौरा कर हिंदू अमेरिकी समुदाय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में अमेरिका में भारत की उप मिशन प्रमुख नामग्या सी. खंपा ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत और भविष्य की ओर बढ़ने वाला बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने इसके लिए बड़े लक्ष्य तय किए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल ही में फ्रांस में मुलाकात हुई थी। दोनों देशों को मिलकर अभी बहुत कुछ हासिल करना है और इस दिशा में भारतीय मूल का समुदाय एक महत्वपूर्ण साझेदार है।'

सीओएचएनए के अध्यक्ष निकुंज त्रिवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए और उन्होंने हिंदू समुदाय के साथ एकजुटता जताई।

उन्होंने कहा, 'कई विशेषज्ञ और दोनों दलों के सांसद हमारे साथ जुड़े। उन्होंने हमारे समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए कैपिटल हिल आने पर हमारा धन्यवाद किया। अक्सर हमारा समुदाय अपनी बात खुलकर नहीं रखता, लेकिन अब यह बदल रहा है।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक महत्वपूर्ण : जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची

विश्व केसरी

टोक्यो। भारत रवाना होने से पहले आयोजित एक प्रेस वार्ता में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत के साथ सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देश साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक हितों के आधार पर मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

जापानी कैबिनेट के जनसंपर्क अधिकारी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी। पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच, भारत के साथ सहयोग का महत्व पहले से कहीं अधिक हो गया है। भारत और जापान मौलिक मूल्यों तथा रणनीतिक हितों को साझा करते हैं और यही हमारी साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में जापान के कारोबारी जगत के 150 से अधिक प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। उनका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) के सहयोग के माध्यम से भारत-जापान संबंधों का दायरा और व्यापक बनाना है। जापानी प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि निवेश, व्यापार, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। ताकाइची ने विश्वास जताया कि भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक, रणनीतिक और औद्योगिक सहयोग को नई गति मिलेगी तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की संयुक्त भागीदारी के जरिए एक मजबूत और टिकाऊ आर्थिक साझेदारी का निर्माण होगा।

अफगानिस्तान का दावा, 'पाकिस्तान स्थित आईएसआईएस ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक'

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कथित आईएसआईएस (दाएश) से जुड़े ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंगलवार रात ये हमले पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थित उन ठिकानों पर किए गए, जहां से कथित तौर पर अफगानिस्तान के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी।

मंत्रालय के अनुसार, बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरानन क्षेत्र स्थित एक संयुक्त आईएसआईएस केंद्र को निशाना बनाया गया। बयान में कहा गया कि यह अफगानिस्तान के नागरिकों के खिलाफ बम धमाकों और आतंकी गतिविधियों के संचालन एवं समन्वय का प्रमुख केंद्र था। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के कंबर खेल क्षेत्र में एक अन्य दाएश केंद्र पर भी सफल हवाई हमला किया गया। वहीं, चित्राल के शाह सलीम घाटी के गरम चश्मा क्षेत्र में स्थित एक संयुक्त दाएश ठिकाने और उससे जुड़े तत्वों को भी निशाना बनाया गया। मंत्रालय का दावा है कि इन केंद्रों से नागरिकों पर हमलों और अन्य विध्वंसक गतिविधियों की योजना बनाई जा रही थी।रक्षा मंत्रालय ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर कहा कि इन हमलों में आईएसआईएस और उसके समर्थकों को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय का यह भी दावा है कि हमले पूरी सटीकता के साथ केवल निर्धारित सैन्य लक्ष्यों पर किए गए और इनमें किसी भी नागरिक की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी ठिकाने को भविष्य में भी निशाना बनाया जाएगा।

इस बीच पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार रात ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की। दावा किया कि अफगानिस्तान की सीमा से बलूचिस्तान में चार साधारण (रुडिमेंटरी) ड्रोन भेजे गए, जिन्हें पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पहचानकर मार गिराया।

सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) के अनुसार, ये ड्रोन अफगान तालिबान शासन की ओर से उन आतंकी संगठनों को समर्थन और संरक्षण देने की नीति का हिस्सा थे, जो अफगानिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों से सक्रिय हैं।

दक्षिण कोरियाः सत्तारूढ़ पार्टी में बढ़ते तनाव के बीच एकता पर जोर, ली जे म्युंग ने पूर्व राष्ट्रपति से की मुलाकात

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) के भीतर बढ़ते गुटीय तनाव के बीच पार्टी में एकता बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने यह बात बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति मून जे-इन के साथ एक बैठक के दौरान कही, जो आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले हुई है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह बैठक चेओंग वा डे (राष्ट्रपति कार्यालय) में दोपहर के भोजन के दौरान हुई, जहां दोनों नेताओं ने पार्टी नेतृत्व को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आंतरिक विभाजन पर चर्चा की।

राष्ट्रपति ली ने कहा कि पार्टी की मजबूती और समावेशी राजनीति देश के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, 'पार्टी के भीतर एकता बहुत महत्वपूर्ण है। पार्टी को अंदर से मजबूत होना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को अपने दायरे का विस्तार करना चाहिए और 'संरचनात्मक विविधता' को बढ़ावा देना चाहिए। ली ने कहा कि एकता और विविधता ऐसे दो अहम पहलू हैं जिनके साथ-साथ संतुलित रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी अब पूरे देश की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन चुकी है और उसे सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली राजनीति अपनानी चाहिए। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति मून जे-इन ने भी पार्टी एकता को राष्ट्रीय एकता की दिशा में पहला कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील ताकतों को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए।

मून ने कहा, 'डेमोक्रेटिक पार्टी को पहले एकजुट होना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ली ही वह व्यक्ति हैं जो पार्टी की एकता, व्यापक प्रगतिशील गठबंधन और राष्ट्रीय एकता को संभव बना सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी में बढ़ते

पीओके में मानवाधिकारों की उड़ाई जा रही धज्जियां, संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप की उठी मांग

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कथित तौर पर गहराते मानवाधिकार संकट पर गंभीर चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। यूकेपीएनपी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ उन्नत सामरिक ड्रोन और जीवित गोलियों का इस्तेमाल किया, जिससे 24 से अधिक नागरिकों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने बताया कि यूकेपीएनपी और स्विस कश्मीर ह्यूमन राइट्स कमीशन (एसकेएचआरसी) ने 26 जून को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को एक आपात अपील भेजकर शांतिपूर्ण नागरिकों पर कथित कार्रवाई का मुद्दा उठाया था। खान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी हैं। साथ ही क्षेत्र की सीमाओं को सील कर खाद्यान्न, गेहूं का आटा और जरूरी दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोक दी गई है।

यूकेपीएनपी के अनुसार, स्थानीय अस्पतालों में अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती के कारण कई घायल लोग गिरफ्तारी के डर से इलाज कराने से भी बच रहे हैं।

यूकेपीएनपी और एसकेएचआरसी ने कथित न्यायेतर हत्याओं की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र फैक्ट-फाइंडिंग मिशन भेजने और पीओके में लगाए गए कथित अवैध प्रतिबंधों को तत्काल हटाने की मांग की। संगठन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे पर चुप नहीं रह सकता।

संगठन ने दावा किया कि 5 जून से पीओके में संचार सेवाएं बंद हैं और क्षेत्र की नाकेबंदी जारी है।

किम जोंग-उन और बेटी जु-ए की तस्वीरें फिर चर्चा में, इस बार बीजिंग दूतावास के डिस्प्ले बोर्ड पर

विश्व केसरी

बीजिंग। बीजिंग स्थित उत्तर कोरिया के दूतावास ने बुधवार को अपने बाहरी सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित तस्वीरों को अपडेट करते हुए नेता किम जोंग-उन और उनकी बेटी जु-ए की नई तस्वीरें शामिल कीं। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार यह दूतावास समय-समय पर अपने गेट के पास लगे इस डिस्प्ले बोर्ड की तस्वीरों को बदलता रहता है, जो उत्तर कोरिया की छवि और संदेशों को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। ताजा अपडेट में कुल 25 नई तस्वीरें लगाई गई हैं, जिनमें बीच में किम जोंग-उन का बड़ा चित्र है, जबकि दोनों ओर 12-12 तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। इनमें अधिकतर तस्वीरें 2016 से लेकर इस वर्ष फरवरी तक के उनके निरीक्षण दौरों से ली गई हैं।

इस बार की अपडेट में इस वर्ष की दो तस्वीरें भी शामिल हैं। एक में किम को एक पशुपालन फार्म का दौरा करते हुए दिखाया गया है, जबकि दूसरी में उन्हें फरवरी में एक निर्माण परियोजना के पूर्णता समारोह में अपनी बेटी जु-ए के साथ देखा गया है।

जु-ए की उपस्थिति के साथ बोर्ड पर उनकी तस्वीरों की संख्या बढ़कर छह हो गई है, जो मार्च में तीन थी। हालांकि, पहले की तरह इन तस्वीरों में कहीं भी उनका नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है।

जैन मुनि को मिला खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता, अमेरिका से जाएंगे तेहरान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक न्योता मिला, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। जैन मुनि के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर निमंत्रण पत्र को पोस्ट कर लिखा गया, 'ईरान सरकार के आमंत्रण पर शांतिदूत जैन आचार्य लोकेशजी अमेरिका से तेहरान पहुंचेंगे। आचार्य राष्ट्राध्यक्षों एवं वैश्विक नेताओं के साथ 3 जुलाई 2026 को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाल्ला कॉम्प्लेक्स में अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।'

पोस्ट के अनुसार जैन मुनि इस वक्त अमेरिका में हैं। इसमें आगे लिखा गया, 'अमेरिका की शांति सदभाव यात्रा के दौरान गुरुदेव के 'वी सपोर्ट पीस' अभियान को रिपब्लिक और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के नेताओं के अभूतपूर्व समर्थन के बाद तत्काल ईरान की यात्रा वैश्विक शांति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।'

वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया, 'भारत-ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी।

ईरान की सरकारी मीडिया आईआरएनए के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इस कारण पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा करेंगे। 36 साल तक इस्लामिक रिपब्लिक के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को यूएस-इजरायल हमले में जान चली गई थी। यह घटना तेहरान पर हवाई हमलों के पहले दिन हुई थी। खामेनेई ने लंबे समय तक ईरान की राजनीति और शासन व्यवस्था को दिशा दी।

मुख्यमंत्री योगी ने उन्नाव सड़क हादसे पर जताया दुख, पीड़ित परिजनों को मदद का भरोसा

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के बाद पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को मृतकों के परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। यह हादसा उन्नाव जिले के बांगरमऊ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर मार्कर 230.800 के पास हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस और कार की टक्कर में

पांच लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

शुरुआती जांच के अनुसार, यह भयानक हादसा बस ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय झपकी आने के कारण हुआ। हरियाणा से बिहार जा रही एक तेज रफ्तार बस का अचानक नियंत्रण बिगड़ गया, वह एक कार से टकराई और कुछ मीटर दूर जाकर पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय कार में नौ लोग सवार थे। उनमें से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

मृतकों की पहचान धुनमुन (60), ड्राइवर विनोद (45), अंजू (40), अमृता (13) और दिव्या (6) के रूप में हुई है।

बस पलटने से उसमें सवार 17 से अधिक यात्री भी घायल हो गए। ज्यादातर को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया गया और शुरुआती चिकित्सा देखभाल के बाद कई यात्रियों को छुट्टी देने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया, अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस फिलहाल इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम' प्रभावी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की घोषणा

विश्व केसरी

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में 'उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम' प्रभावी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को इसकी घोषणा की।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'आज से 'उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम' प्रभावी हो गया है। इसके साथ ही मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम एवं गैर-सरकारी अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम समाप्त हो गए हैं।'

मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश में ऐसी शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है जो आधुनिक, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण, जवाबदेह और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों पर आधारित हो। नई व्यवस्था सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए समान एवं पारदर्शी मान्यता प्रणाली सुनिश्चित करेगी।

सीएम धामी ने 'एक्स' पोस्ट में

लिखा, 'हमारा संकल्प स्पष्ट है कि प्रदेश का नौनिहाल आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल और भारतीय जीवन मूल्यों से सशक्त होकर विकसित उत्तराखंड एवं विकसित भारत के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभाए। इसी लक्ष्य के साथ हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।' बता दें कि 1 जुलाई से उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा बोर्ड पूरी तरह से समाप्त हो गया है। राज्य में बुधवार से नया राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण अस्तित्व में आ गया है। उत्तराखंड राज्य में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक रूप से बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें यहां पर पढ़ने वाले बच्चे को एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम की किताबें मिलेंगी।

उत्तराखंड सरकार की ओर से पहले ही उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन कर दिया गया है। प्रोफेसर सुरजीत सिंह गांधी को प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है; इसके अलावा, विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिष्ठित विद्वानों और प्रोफेसरों को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। सदस्यों में प्रोफेसर राकेश कुमार जैन, डॉ सैयद अली हामिद, प्रोफेसर पेमा तेनजिंग, प्रोफेसर गुरमीत सिंह, डॉ एल्बा मंड्रेले, प्रोफेसर रॉबिन अमन, चंद्रशेखर भट्ट, और राजेंद्र सिंह बिष्ट शामिल हैं।

महानिदेशक विद्यालय शिक्षा और निर्देशक एससीआरईटी को पदेन सदस्य बनाया गया है, जबकि निर्देशक अल्पसंख्यक कल्याण पदेन सदस्य सचिव की भूमिका में रहेंगे।

संक्षिप्त खबर

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवसः नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने डाक कर्मियों के समर्पण को किया सलाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कर्मचारियों को बधाई दी है। नेताओं ने कहा कि निष्ठा, सेवा और जन-जन तक संदेश एवं सुविधाएं पहुंचाकर डाक कर्मी राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार।'

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'देशभर के सभी समर्पित डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी निष्ठा, सेवा और जन-जन तक संदेश एवं सुविधाएं पहुंचाने का समर्पण राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। आपके अथक परिश्रम को सादर नमन।'

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर सभी डाक कर्मियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं प्रदान करने वाले सभी डाक कर्मचारियों के अथक परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा के भाव को सादर नमन।'

वीबी-जी राम जी एक्ट आज से लागू, अब ग्रामीण रोजगार की गारंटी 125 दिन हुई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत के लिए बुधवार से एक बड़ा बदलाव शुरू हो गया है। 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) अधिनियम, 2025' बुधवार से पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू हो गया। इस नए कानून के तहत अब पात्र ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक, इस कानून का उद्देश्य सिर्फ रोजगार बढ़ाना नहीं, बल्कि गांवों में आजीविका को मजबूत करना, टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण करना और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाकर 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को तेजी से आगे बढ़ाना है। देशभर में इस कानून के लागू होने से एक दिन पहले, मंगलवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर इसकी पूरी तैयारी कर ली है। प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी स्तर पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं ताकि नए सिस्टम में बदलाव बिना किसी परेशानी के हो सके। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र ग्रामीण मजदूर एक भी दिन काम से वंचित न रहे। केंद्र और राज्यों ने मिलकर इस कानून को लागू करने की पूरी तैयारी कर ली है। पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध करा दिए गए हैं, पूरी कार्यान्वयन व्यवस्था तैयार है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया दबाव क्षेत्र, 3 जुलाई तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में हो सकती है बारिश

विश्व केसरी

चेन्नई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 3 जुलाई तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे क्षेत्रों में एक नया दबाव क्षेत्र बनने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से आने वाले कुछ दिनों में तमिलनाडु और पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

आईएमडी ने अपने मौसम बुलेटिन में बताया कि उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर ऊपरी वायुमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है। इसके प्रभाव से 3 जुलाई के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। विकसित हो रही यह मौसमी प्रणाली पूर्वी भारत में मानसून की गतिविधियों को और मजबूत कर सकती है, वहीं उत्तरी तमिलनाडु में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना भी बढ़ाएगी।

मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को उत्तर तमिलनाडु और पुडुचेरी के एक या दो स्थानों पर गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

मौसम अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे आकाशीय बिजली और गरज-चमक के दौरान चलने वाली तेज हवाओं को लेकर सतर्क रहें। वहीं, दक्षिण तमिलनाडु में इसी अवधि के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हालांकि दक्षिणी जिलों में व्यापक स्तर पर भारी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों के चलते कुछ स्थानों पर बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

आईएमडी ने गुरुवार के लिए कोयंबटूर जिले के पहाड़ी क्षेत्रों तथा नीलगिरि और थेनी जिलों में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी वर्षा के प्रति संवेदनशील इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है।

प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखे जाने की संभावना है, विशेषकर उन संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में जहां भारी बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं।

उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, बस-कार की टक्कर में पांच की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो बच्चियों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। कई यात्री घायल हुए, जिन्हें अस्पताल के लिए भेजा गया। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना की वजह बस चालक को झपकी आना बताई जा रही है।

जानकारी सामने आई कि बुधवार सुबह उन्नाव जिले के बांगरमऊ थाना क्षेत्रांतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किमी संख्या 230.800 के पास हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार बस हरियाणा से बिहार जा रही थी। अचानक से बस अनियंत्रित होकर एक कार से टकराई और कुछ मीटर की दूरी पर जाकर पलट गई। बस की टक्कर से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया गया कि हादसे के समय कार में नौ लोग सवार थे। इनमें से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत देखते हुए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

मृतकों की पहचान धुनमुन (उम्र 60 वर्ष), चालक विनोद (45 वर्ष), अंजू (40 वर्ष), अमृता (13 वर्ष) और दिव्या (6 वर्ष) के रूप में हुई है।

बस के पलटने से उसमें सवार 17 से अधिक यात्री भी घायल हुए। अधिकांश को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में उपचार कराया गया और प्राथमिक इलाज के बाद कई यात्रियों को छुट्टी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

असम में वन महोत्सव की शुरुआत, सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने लोगों से की एक-एक पौधा लगाने की अपील

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को राज्य के लोगों से वन महोत्सव के दौरान कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की भागीदारी से ही राज्य को अधिक हरा-भरा बनाया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित व बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

वन महोत्सव की शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से 'जन भागीदारी' की ताकत को प्रकृति संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति इस अभियान में शामिल होगा, तो यह सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन बन जाएगा।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'आज से 'वन महोत्सव' सप्ताहभर चलने वाले प्रकृति उत्सव की शुरुआत हो रही है। उन्होंने लोगों से अगले एक सप्ताह के भीतर कम से कम एक पौधा लगाने की अपील करते हुए कहा, 'आइए, जन भागीदारी की ताकत से राज्य का हरित क्षेत्र बढ़ाएं और एक पौधा लगाकर अपने बच्चों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री हिमंता ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता का भी ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि जब भी वे सरकारी काम से गुवाहाटी से बाहर किसी जिले की यात्रा पर जाते हैं, तो वहां एक पौधा जरूर लगाते हैं। उन्होंने कहा, 'गुवाहाटी से बाहर अपनी हर यात्रा के दौरान मैं एक पौधा अवश्य लगाता हूं। मुख्यमंत्री ने एक बार फिर दोहराया

कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और बड़े स्तर पर वृक्षारोपण को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वन महोत्सव हर वर्ष जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। यह देशव्यापी वृक्षारोपण अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों में जंगलों, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान सरकारें, शैक्षणिक संस्थान, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक मिलकर बड़े पैमाने पर पौधारोपण करते हैं।

असम सरकार भी पिछले कुछ वर्षों से बड़े स्तर पर वृक्षारोपण और संरक्षण कार्यक्रम चला रही है। इसके साथ ही राज्य की समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

केलावरपल्ली बांध के पास साउथ पेन्नई नदी में जहरीले झाग से बुरा हाल, किसानों ने की कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी

चेन्नई। होसुर में केलावरपल्ली बांध के पास दक्षिण पेन्नई नदी में लगातार जमा हो रहे जहरीले झाग ने कृष्णगिरि जिले के किसानों को चिंतित कर दिया है। किसान तमिलनाडु और कर्नाटक सरकार से मांग कर रहे हैं कि वे मिलकर प्रदूषण के स्रोत की जांच करें और तुरंत सुधारात्मक कदम उठाएं।

नदी में लगभग एक महीने से झाग दिखाई दे रहा है और कर्नाटक में हाल ही में हुई बारिश के बाद यह और बढ़ गया है, जिससे केलावरपल्ली बांध में पानी का बहाव भी बढ़ गया है।

किसानों को डर है कि पानी की खराब होती गुणवत्ता का सिंचाई, खेती और नदी के पूरे इकोलॉजिकल स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। केलावरपल्ली बांध इस इलाके में हजारों एकड़ खेती की जमीन के लिए सिंचाई का एक अहम जरिया है। इस जलाशय पर निर्भर किसानों ने चिंता

जताई है कि लगातार प्रदूषण से फसल की खेती पर खतरा मंडरा सकता है और कमांड एरिया में खेती की लंबे समय तक चलने की क्षमता कम हो सकती है। स्थानीय किसान संगठनों का मानना ?है कि यह प्रदूषण मुख्य रूप से साउथ पेन्नई नदी में ऊपर की तरफ (अपस्ट्रीम) बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज मिलने की वजह से है, खासकर कर्नाटक के शहरी इलाकों से। उन्होंने तमिलनाडु और कर्नाटक दोनों राज्यों में नदी के किनारे मौजूद मिलों समेत सभी इंडस्ट्रियल यूनिट्स की व्यापक जांच की भी मांग की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इंडस्ट्री से निकलने वाला कचरा भी इस प्रदूषण की वजह है।

किसान संगठनों के प्रतिनिधि जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से मिलकर तुरंत कदम उठाने और दोनों राज्यों को शामिल करते हुए एक समन्वित कार्य योजना बनाने की मांग करेंगे।

उन्होंने प्रदूषण के सही स्रोतों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन और बिना ट्रीट किए गए कचरे को नदी में जाने से रोकने के उपाय लागू करने की मांग की है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नदी के पानी की नियमित निगरानी हर महीने की जा रही है। शुरुआती नतीजों से सल्फेट और फॉस्फेट का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है, जो आमतौर पर केमिकल इंडस्ट्री के कचरे के बजाय सीवेज के प्रदूषण से जुड़े होते हैं।

विभाग ने यह भी पाया है कि प्रभावित हिस्से में घुली हुई ऑक्सीजन का स्तर एक मिलीग्राम प्रति लीटर से नीचे गिर गया है, जो पानी की बहुत खराब गुणवत्ता को दर्शाता है।

पंजाबः बठिंडा-बीकानेर हाईवे पर ट्रक से टकराई ट्रैवलर, चार अमरनाथ तीर्थयात्रियों की मौके पर मौत

विश्व केसरी

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। तकरीबन 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया।

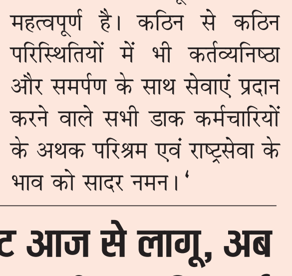

अधिकारियों ने बताया कि हादसा बठिंडा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां राजस्थान से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे यात्रियों की गाड़ी एक ट्रक से टकराई। सभी श्रद्धालु एक ट्रैवलर गाड़ी में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैवलर गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे के कारण अफरातफरी मच गई। हाईवे पर भी जाम की स्थिति पैदा हुई। हालांकि, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने हालातों को संभाला। घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया। साथ ही, पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सहारा जन सेवा संस्था के वर्कर संदीप सिंह ने बताया कि आज हमारे कंट्रोल रूम में सूचना मिली कि बठिंडा के जोधपुर रोमाना और गुरुसर सानेवाला के बीच एक हादसा हुआ है। जब हम मौके पर पहुंचे, तो देखा कि एक ट्रैवलर खड़े ट्रेलर से टकरा गई थी। इसमें 11 से 12 यात्री सवार थे, जिनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई और 7 से 8 यात्री घायल हैं।

उन्होंने बताया कि तीन शवों को सिविल अस्पताल भेजा गया था, जबकि एक व्यक्ति के शव को बठिंडा एम्स भेजा गया था। अन्य सभी घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है। संदीप सिंह के अनुसार, सभी लोग हरमंदिर साहिब के दर्शन करते हुए अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे थे।

ओडिशा की कक्षा पांचवीं की अंग्रेजी किताब में फिल्मी गाना, शिक्षा मंत्री बोले- बर्दाश्त नहीं की जाएगी ऐसी लापरवाही

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा की शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विपक्ष इस मामले को लेकर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहा है। कक्षा एक से आठ तक की किताबों में कई बड़ी गड़बड़ियां मिली हैं, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया है। कक्षा 5 की एक किताब में फिल्मी गाना 'निंबूड़ा-निंबूड़ा' छपा हुआ मिला। शिक्षा मंत्री का कहना है कि ऐसी गलतियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

ओडिशा में सरकारी स्कूलों की पांचवीं कक्षा की अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक में प्रसिद्ध बॉलीवुड गाना 'निंबूड़ा-निंबूड़ा' के बोल लगभग जस के तस प्रकाशित

हुए हैं। मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। ओडिशा के स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने कहा कि इस तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है, और छात्रों को जल्द ही संशोधित पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह पूरा मामला सरकारी स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली कक्षा 5 की अंग्रेजी पुस्तक से जुड़ा है। जैसे ही यह त्रुटि सामने आई तो सवाल उठने शुरू हो गए। शिक्षा विशेषज्ञों ने इसे बड़ी गलती करार दिया है। शिक्षा से जुड़े लोगों का कहना है कि पाठ्यपुस्तकें बच्चों की पढ़ाई का महत्वपूर्ण आधार होती हैं, इसलिए उन्हें प्रकाशित करने से पहले कई स्तरों पर सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए।

किताब में कविता, कहानी, शिक्षा देने वाले चैप्टर की जगह फिल्मी गाने का छपना एक बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मामले की जांच और निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

बता दें कि कक्षा एक से आठ तक की किताबों में बड़ी गलतियां मिलने के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने शिक्षक प्रशिक्षण और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के पूर्व निदेशक मनोज पाधी सहित चार वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया था और पाठ्यपुस्तकों में त्रुटियों की जांच के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद छह अन्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की थी।

हाल ही में प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों में लगभग 1,678 त्रुटियां पाए जाने के बाद पाठ्यपुस्तक विवाद खड़ा हो गया, जिससे विपक्षी दलों और शिक्षाविदों की तरफ से आलोचना की गई।

'डिजिटल इंडिया' पहल विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त नींव: प्रधानमंत्री मोदी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'डिजिटल इंडिया' के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये पहल विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में इसने गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही देशवासियों के जीवन को आसान बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'डिजिटल इंडिया' को लेकर कई पोस्ट किए। उन्होंने एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'आज 'डिजिटल इंडिया' पहल को शुरू हुए 11 साल पूरे हो रहे हैं। इस पहल ने गवर्नेंस को नए सिरे से परिभाषित किया है, नागरिकों को सशक्त बनाया है और सर्वांगीण विकास को गति दी है। इसने जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है। आसान डिजिटल पेमेंट और लाभार्थियों तक पारदर्शिता के साथ सीधे लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से लेकर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार तक, टेक्नोलॉजी 'ईज ऑफ लिविंग' को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन गई है।'

पीएम मोदी ने इस पोस्ट में आगे कहा, 'डिजिटल इंडिया ने नवाचार की लहर को भारत के हर हिस्से, खासकर गांवों और टियर-2 व टियर-3 शहरों तक पहुंचाया है। देश के हर कोने से युवा उद्यमी, स्टार्टअप और इनोवेटर हमारे ग्रह के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के समाधान तैयार कर रहे हैं। इस पहल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, व्यापार और सार्वजनिक सेवा वितरण को मजबूत किया है, जिससे गवर्नेंस अधिक पारदर्शी, कुशल और सुलभ हो गई है।'

उन्होंने कहा, 'डिजिटल क्षेत्र में हमारी प्रगति ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती हुई तकनीकों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे विकास और अवसरों के नए रास्ते भी खुलेंगे।

हमारा ध्यान एक ऐसे भविष्य के निर्माण पर रहेगा जहां तकनीक मानवता की सेवा करे, हर नागरिक को सशक्त बनाए और टिकाऊ विकास को बढ़ावा दे।

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'डिजिटल इंडिया के 11 सालों की सफलता से भारतवर्ष को दुनियाभर में एक नई पहचान मिली है। इससे इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को अपनाकर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की देशवासियों की संकल्पशक्ति का पता चलता है।'

उन्होंने 'संस्कृत सुभाषितम्' शेयर करते हुए लिखा, 'विज्ञानसारथिर्यस्तु मनःप्रग्रहवान्नरः। सोऽध्वनः पारमाप्नोति तद्विष्णोः परमं पदम्।' इसका अर्थ है, 'वह मनुष्य जिसकी विवेकपूर्ण बुद्धि वैज्ञानिक सारथि के समान जागरूक हो और जिसका मन संयमित हो, वह जीवन-पथ की जटिलताओं को पार कर परम लक्ष्य तक पहुंच जाता है।'

पीएम मोदी ने एक और पोस्ट किया, 'डिजिटल इंडिया विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त नींव है। बीते 11 वर्षों में इसने गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही देशवासियों के जीवन को आसान बनाया है। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के विस्तार से लेकर डिजिटल ट्रांजैक्शन तक इस अभियान की अभूतपूर्व सफलता ने दुनियाभर का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

यूपीआई से लेनदेन में जून में 23 प्रतिशत की वृद्धि, वैल्यू करीब 29 लाख करोड़ रुपए रही

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से लेनदेन जून में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 22.72 अरब पर पहुंच गया है। इस दौरान इनकी वैल्यू 20 प्रतिशत बढ़कर 28.92 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई।

औसत आधार पर यूपीआई से जून में 75.7 करोड़ लेनदेन प्रतिदिन हुए है। इस दौरान प्रतिदिन लेनदेन की औसत वैल्यू 96,405 करोड़ रुपए रही है।

मई में यूपीआई लेनदेन की संख्या 23.20 अरब थी और इनकी वैल्यू 29.90 लाख करोड़ रुपए रही थी। इस दौरान औसतन, यूपीआई ने मई में हर दिन लगभग 74.8 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए, और प्रतिदिन लेनदेन की औसत वैल्यू लगभग 96,465 करोड़ रुपए रही।

10 साल पहले आम आदमी को डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए शुरू हुआ यूपीआई अब पूरे भारत में रोजाना करोड़ों लेनदेन को आसान बनाता है। यूपीआई लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में सिर्फ 2 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई है।

यूपीआई अब यूएआई, सिंगापुर, फ्रांस, मॉरिशस और श्रीलंका समेत आठ से अधिक देशों में उपलब्ध है, जिससे ग्लोबल फिनटेक सेक्टर में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है।

हाल ही में ग्रीस में यूपीआई के शुरू होने के बाद ग्राहक तुरंत, सुरक्षित और आसानी से पैसे भेज सकते हैं और लेनदेन की लागत पारंपरिक तरीकों की तुलना में बहुत कम हो गई है।

पिछले महीने, अमेरिका के पेमेंट सिस्टम के भविष्य पर चर्चा करते हुए अमेरिकी सांसदों ने भारत के यूपीआई का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक पब्लिक पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट सेक्टर में इनोवेशन को बढ़ावा दे सकता है। इस दौरान फिनटेक कंपनियों ने कांग्रेस से अमेरिका के पेमेंट नेटवर्क तक पहुंच से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव करने की मांग की।

भारत के साथ यह तुलना 'हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी' की 'फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस पर बनी सब-कमेटी' की सुनवाई के दौरान की गई। इसमें सांसदों ने इस बात पर विचार किया कि क्या अमेरिका को अपने रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को आधुनिक बनाना चाहिए, ताकि योग्य नॉन-बैंक पेमेंट कंपनियों को पारंपरिक बैंकिंग बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे फेडरल रिजर्व के पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच मिल सके।

हार्मोनल बदलाव बिगाड़ सकते हैं चेहरे की रंगत, पीरियड्स से पहले ऐसे बढ़ता है एक्ने का खतरा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । महिलाओं व युवतियों के पीरियड्स शुरू होने से कुछ दिन पहले चेहरे पर अचानक पिंपल्स निकलना परेशानी की वजह बन जाती है। अक्सर ऐसा होता है कि त्वचा ठीक लग रही होती है लेकिन अचानक चेहरे पर दाने उभर आते हैं। लोग इसे गलत स्किन केयर या साफ-सफाई की कमी मानते हैं। हालांकि त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी असली वजह शरीर के अंदर होने वाले हार्मोनल बदलाव होते हैं।

पीरियड्स का पूरा चक्र लगभग 28 दिनों का माना जाता है और इस दौरान शरीर में कई हार्मोन उतार-चढ़ाव से गुजरते हैं। शुरुआत में एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ता है, जो त्वचा को साफ और संतुलित रखता है। जैसे-जैसे चक्र आगे बढ़ता है, प्रोजेस्टेरोन का स्तर बढ़ने लगता है, जो शरीर को अगले चरण के लिए तैयार करता है। लेकिन पीरियड्स के करीब आते-आते इन दोनों हार्मोन्स में गिरावट आने लगती है, और इस दौरान टेस्टोस्टेरोन का प्रभाव अपेक्षाकृत ज्यादा दिखाई देने लगता है। यही असंतुलन पिंपल्स की समस्या को बढ़ा देता है।

मेडिकल रिसर्च के अनुसार, प्रोजेस्टेरोन का बढ़ा हुआ स्तर त्वचा की ऑयल ग्लैंड्स को ज्यादा सक्रिय कर देता है। इससे त्वचा में सीबम नाम का प्राकृतिक तेल ज्यादा मात्रा में बनने लगता है। सामान्य स्थिति में यह तेल त्वचा को मुलायम और सुरक्षित रखता है, लेकिन जब इसका उत्पादन जरूरत से ज्यादा होता है, तो यह पोर्स को बंद करने लगता है। इसके साथ ही त्वचा में हल्की सूजन भी आ सकती है, जिससे तेल बाहर नहीं निकल पाता और पिंपल्स बनने की शुरुआत होती है।

जैसे ही टेस्टोस्टेरोन का प्रभाव बढ़ता है, यह स्थिति और भी तेज हो जाती है। अतिरिक्त तेल जब धूल, गंदगी और मृत त्वचा कोशिकाओं के साथ मिल जाता है, तो छिद्र पूरी तरह बंद हो सकते हैं। बंद छिद्रों में बैक्टीरिया तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे सूजन और संक्रमण की स्थिति बनती है। यही कारण है कि कई महिलाओं को इस दौरान ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स और लाल दाने तक हो जाते हैं। सबसे ज्यादा असर ठुड्डी और जॉलाइन जैसे हिस्सों पर देखा जाता है, जिसे डॉक्टर हार्मोनल एक्ने भी कहते हैं।

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या पूरी तरह बाहरी नहीं बल्कि अंदरूनी हार्मोनल सिस्टम से जुड़ी होती है। इसलिए सिर्फ क्रीम या फेसवॉश बदलने से हमेशा समाधान नहीं मिलता। कई मामलों में शरीर का मेटाबॉलिज्म, तनाव, नींद की कमी और खानपान भी इस समस्या को बढ़ा सकते हैं क्योंकि ये सभी चीजें हार्मोन बैलेंस को प्रभावित करती हैं।

कुछ सरल आदतों से इस स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। चेहरे की नियमित सफाई करना, त्वचा को ज्यादा छूने से बचना, और मोबाइल स्क्रीन को साफ रखना बैक्टीरिया के फैलाव को कम कर सकता है। इसके अलावा, धूम्रपान और अत्यधिक ऑयली फूड से दूरी बनाना भी मददगार माना जाता है।

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

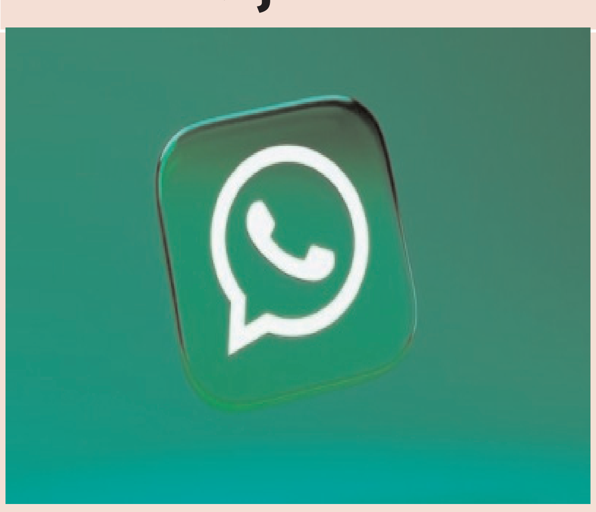

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप के आगामी यूजरनेम फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। सरकार इस फीचर को लेकर गंभीर चिंताएं जता रही है और इसी के मद्देनजर जल्द ही व्हाट्सऐप को नोटिस भेजा जा सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार को आशंका है कि टेलीग्राम की तरह व्हाट्सऐप का यह नया फीचर भी फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने या गलत जानकारी फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से सरकार ने इस प्रस्तावित फीचर पर नाराजगी जताई है और इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

सूत्रों का कहना है कि यदि किसी नए फीचर के कारण धोखाधड़ी या साइबर अपराध की आशंका बढ़ती है, तो संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को भी उसकी जवाबदेही तय करनी होगी। सरकार का मानना है कि व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके उत्पादों का इस्तेमाल किसी की पहचान की नकल (इम्पर्सोनेशन) या भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए न हो।

दरअसल, व्हाट्सऐप जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना सिर्फ यूजरनेम के जरिए परिवार, दोस्तों या व्यवसायों से संपर्क कर सकेंगे।

व्हाट्सऐप के मुताबिक, उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह एक यूनिक यूजरनेम चुन सकेंगे। मेटा ने कहा है कि इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के मोबाइल नंबर की गोपनीयता की रक्षा करना है। कंपनी के अनुसार, किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए दूसरे उपयोगकर्ता को उसका सटीक यूजरनेम पता होना जरूरी होगा।

हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुविधा गोपनीयता बढ़ाने के साथ-साथ फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे जोखिम भी बढ़ा सकती है। उनका मानना है कि भारत जैसे बड़े डिजिटल बाजार में करोड़ों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए मजबूत एंटी-अब्यूज सिस्टम और प्रभावी सुरक्षा उपाय अनिवार्य होंगे।

गौरतलब है कि टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पहले से ही उपयोगकर्ताओं को मोबाइल नंबर छिपाकर केवल यूजरनेम के माध्यम से बातचीत करने की सुविधा देते हैं।

वहीं, भारत के मौजूदा कानूनों के तहत व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट का एक सत्यापित मोबाइल नंबर से जुड़ा होना आवश्यक है। टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी रूल्स, 2024 के तहत दूरसंचार विभाग (डीओटी) डिजिटल धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए सिम-बाइंडिंग संबंधी सख्त प्रावधान लागू करता है।

इस बीच, उद्यमी अंकुर वारिकू ने भी इस फीचर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि व्हाट्सऐप ने प्रभावी एंटी-अब्यूज सिस्टम नहीं बनाया।

'डॉक्टर्स डे' पर पीएम मोदी ने वेनेजुएला में सेवाएं दे रहे भारतीय चिकित्सकों को किया नमन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे) के अवसर पर वेनेजुएला में सेवा दे रहे भारतीय डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहे भारतीय चिकित्सा पेशेवर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा, 'आज, जब हम डॉक्टर्स डे मना रहे हैं, मैं 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत वेनेजुएला में अथक सेवा दे रहे भारत के सभी डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों की सराहना करता हूं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए उनके प्रयास इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि जब भी समाज किसी चुनौती का सामना करता है, हमारे चिकित्सा पेशेवर हमेशा आगे बढ़कर अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय डॉक्टरों की प्रतिबद्धता, सेवा भावना और मानवीय दृष्टिकोण पूरी दुनिया में भारत की सकारात्मक पहचान को मजबूत कर रहा है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय के योगदान को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इससे पहले की एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के डॉक्टरों को शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण, करुणा और अथक सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की मेहनत, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता ही भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'डॉक्टर्स डे पर हमारे समर्पित चिकित्सकों को हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी कड़ी मेहनत, करुणा और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। सबसे कठिन परिस्थितियों में भी उनके अथक प्रयासों ने करोड़ों लोगों का विश्वास और आभार अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर मल्लिकार्जुन खड़गे सहित केंद्रियों मंत्रियों ने डॉक्टरों का जताया आभार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई मंत्रियों ने डॉक्टरों का आभार जताया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' बचाई गई हर ज़िंदगी पर डॉक्टर की दयालुता, हुनर ??और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा की छाप होती है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर, हम अपने डॉक्टरों और पूरे हेल्थकेयर समुदाय नर्स, एनएम, आशा और आंगनवाड़ी वर्कर और हर फ्रंटलाइन हेल्थ प्रोफेशनल के प्रति दिल से आभार व्यक्त करते हैं। इनकी निस्वार्थ सेवा ही हमारे देश को स्वस्थ और मज़बूत बनाए रखती है। हम भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय को भी सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वे एक जाने-माने डॉक्टर, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और दूरदर्शी राजनेता थे, जिनकी शानदार विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।'

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट किया 'राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर हम अपने उन डॉक्टरों का सम्मान करते हैं, जिनकी लगन और विशेषज्ञता देश भर में लाखों लोगों की सेहत और भलाई की रक्षा करती है। मुश्किलों के बावजूद उनकी संवेदनशीलता और मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जन-सेवा के सबसे ऊंचे आदर्शों को दर्शाती है। एक स्वस्थ, मज़बूत और मुश्किलों का सामना करने में सक्षम भारत बनाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए हम उनके आभारी हैं।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर सभी डॉक्टरों का दिल से आभार और उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं। डॉक्टर अटूट समर्पण, करुणा और साहस के साथ मानवता की सेवा करते हैं। वे सबसे ज़्यादा ज़रूरत के समय में परिवारों को उम्मीद और समाज को हिम्मत देते हैं। उनकी निस्वार्थ सेवा और अमूल्य योगदान सभी के लिए प्रेरणा हैं। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं।'

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर, मैं संपूर्ण चिकित्सा जगत को जीवन रक्षा और हमारे समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ और आभार व्यक्त करता हूं। उनकी करुणा, निस्वार्थ सेवा और प्रतिबद्धता हमें प्रतिदिन प्रेरित करती है।

बिहार के सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी, कंट्रोल रूम से होगी निगरानी: निशांत कुमार

विश्व केसरी ■

पटना । बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि मरीजों का इलाज जिला अस्पतालों में ही हो जाए और जरूरत पड़ने पर ही उन्हें पटना रेफर करना पड़े। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से अस्पतालों की निगरानी की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और अपनी टीम को भी भेजेंगे, लेकिन तकनीक के जरिए नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का पदभार संभालने के बाद उन्हें सबसे अधिक शिकायत डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों की अनुपलब्धता की मिली है।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में 504 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं और शेष दवाओं की उपलब्धता पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अस्पतालों और बाजार से दवाओं के रैंडम सैंपल लेकर उनकी नियमित जांच कराई जाए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि किसी अस्पताल में दवाओं की कमी हो या एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड जैसी मशीनें खराब हों अथवा उन्हें संचालित करने के लिए तकनीशियन उपलब्ध न हों।

विंबलडनः माया जॉइंट ने संयम रखते हुए सेरेना की वापसी की कोशिश को किया नाकाम

विश्व केसरी ■

लंदन। माया जॉइंट ने अपने युवा करियर का सबसे बड़ा मैच खेला और जीता। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर हुए रोमांचक मुकाबले में दिग्गज सेरेना विलियम्स की विंबलडन सिंगल्स में वापसी का सफर खत्म कर दिया।

कभी विंबलडन नहीं जीतने वाली जॉइंट जनवरी से लगातार 11 टूर लेवल मैच हारने के बाद इस चैंपियनशिप में उतरी थीं और उन्होंने सात बार की चैंपियन को 6-3, 6-7(6), 6-3 से हराया। अब उनका मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा।

सेरेना ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में पहला मैच पॉइंट बचाया और फिर निर्णायक सेट में एक ब्रेक से बढ़त बनाई। उन्होंने शानदार खेल दिखाया लेकिन जॉइंट के हौसले को नहीं तोड़ पाईं। 20 साल की ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने सेरेना की ताकत का डटकर सामना किया और उनकी मशहूर सर्विस को पांच बार तोड़ा और आखिरकार उन्हें हरा दिया। उन्होंने 10 ऐस भी लगाए।

44 साल की उम्र में सेरेना 2004 में 47 साल की मार्टिना नवरातिलोवा के बाद ओपन एरा में विंबलडन महिला सिंगल्स में खेलने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला थीं।

जॉइंट ने कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुझें पता क्या हुआ। मेरे पैर नहीं चल रहे थे। मुझे सच में नहीं पता कि मैच में मुझे इतनी अच्छी शुरुआत कैसे मिली। उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली है। वह एक लेजेंड हैं और इस कोर्ट पर कई बड़े नाम खेल चुके हैं। मैं बचपन से ही इस पल का सपना देख रही थी, इसलिए यह बहुत ही अद्भुत अनुभव था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे मुश्किल काम कोर्ट पर उतरकर उनके खिलाफ मैच खेलना था। शुरुआत में घबराहट हो रही थी। मैच खत्म करने की कोशिश के दौरान, मुझे लगता है कि उन्होंने निश्चित रूप से अपना खेल बेहतर किया। उन्होंने बहुत अच्छा टेनिस खेला।

23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार 1,397 दिन पहले 2022 में अमेरिका ओपन में ऑस्ट्रेलिया की अजला टोमलजानोविच के खिलाफ सिंगल्स मैच खेला था। जॉइंट से चौंकाने वाली हार के बाद वह ऑल इंग्लैंड क्लब में ही रहेंगी और अपनी बहन वीनस के साथ डबल्स मैच खेलेंगी।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कपः रिकॉर्ड 8वीं बार फाइनल में ऑस्ट्रेलिया, मूनी ने श्रेय टीम की मजबूती को दिया

विश्व केसरी ■

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 विकेट से दमदार जीत दर्ज करते हुए विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी ने फाइनल में पहुंचने का श्रेय अपनी टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन को दिया है। छह बार की चैंपियन टीम ने रिकॉर्ड आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई है।

केनिंग्टन ओवल में पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 7 विकेट खोकर 125 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 13 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जीत के बाद मूनी ने एशले गार्डनर, जॉर्जिया वेयरहैम और जॉर्जिया वोल के योगदान का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया की मजबूती, अलग-अलग भूमिकाएं निभाने की क्षमता और अहम मौकों पर मैच जिताने वाले खिलाड़ियों को तैयार करने की काबिलियत ने इस टीम को एक और वर्ल्ड टाइटल जीतने के करीब पहुंचा दिया है। अब रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला सेमीफाइनल-2 की विजेता टीम से होगा, जो इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच गुरुवार को खेला जाना है।

मूनी ने गार्डनर के बढ़ते आत्मविश्वास की ओर इशारा करते हुए कहा, 'वह लंबे समय से हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी रही हैं। जाहिर है, कुछ दिन पहले लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी। इससे उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है। मुझे लगता है कि आज हमने गेंदबाजी में भी वही देखा। उन्होंने शानदार गेंदबाजी की और अहम मौकों पर विकेट लिए। इसलिए हम जानते हैं कि वह दूसरी टीमों के लिए कितना बड़ा खतरा हो सकती हैं। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं।'

ऑस्ट्रेलिया अब एक और ग्लोबल टाइटल जीतने से बस एक कदम दूर है, ऐसे में मूनी ने टूर्नामेंट के अहम पड़ाव पर टीम के हर सदस्य के अच्छी फॉर्म में होने की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, 'निश्चित रूप से, जब प्रतियोगिता अपने अहम पड़ाव पर होती है, तो सभी खिलाड़ियों का अच्छी फॉर्म में होना हमेशा अच्छा होता है।'

मूनी ने वेयरहम के योगदान पर भी बात करते हुए कहा कि टीम में अलग-अलग भूमिकाओं में ढलने के बाद यह ऑलराउंडर ऑस्ट्रेलिया की सबसे बेहतरीन और हरफनमौला क्रिकेटरों में से एक बन गई हैं, और उनमें ऐसी खूबियां हैं जो उन्हें इतना असरदार खिलाड़ी बनाती हैं।

फीफा विश्व कप : मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराया, 1986 के बाद नॉकआउट में पहली जीत दर्ज की

विश्व केसरी ■

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ-16) में शानदार अंदाज में प्रवेश कर लिया। सह-मेजबान टीम ने बुधवार को मैक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इक्वाडोर को 2-0 से हराया। जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ मैक्सिको ने 40 साल बाद विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत दर्ज की।

यह 1986 के बाद मैक्सिको का पहला विश्व कप नॉकआउट मुकाबला था। खास बात यह रही कि उस साल भी मैक्सिको मेजबान था और उसने बुल्गारिया को 2-0 से हराकर जीत हासिल की थी। अब 2026 में भी टीम ने उसी स्कोर से जीत दर्ज कर इतिहास दोहरा दिया। इसके अलावा, मैक्सिको 1990 में इटली के बाद पहला मेजबान देश बन गया है जिसने विश्व कप के अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं।

खराब मौसम के कारण मुकाबला एक घंटे देरी से शुरू हुआ।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिपः भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमें घोषित, विश्वनाथ और चंद्रिका अगुवाई करेंगे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत अंडर-19 और अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिला-जुला दल उतारेगा। यह प्रतियोगिता 3 से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित होगी। मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत की अगुवाई करेंगे।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने बुधवार को दोनों आयु वर्गों के लिए टीमों की घोषणा कर दी। पुरुषों के अंडर-23 वर्ग में 50 किग्रा कैटेगरी में मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और ईशान कटारिया (90+ किग्रा) भी शामिल हैं।

महिलाओं की अंडर-23 टीम में निधि (48 किग्रा), तनु (51 किग्रा), निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और प्रियंका (80+ किग्रा) शामिल हैं।

अंडर-19 प्रतियोगिता में, फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी 51 किग्रा कैटेगरी में लड़कियों की टीम की अगुवाई करेंगी। उनके साथ गुंजन (48 किग्रा), चिरोम जॉयश्री देवी (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), चाहत (60 किग्रा), वंशिका (65 किग्रा), लक्षु (70 किग्रा), अंशिका (75 किग्रा), मेघा श्योकंद (80 किग्रा) और प्राची टोकस (+80 किग्रा) भी शामिल हैं।

लड़कों की अंडर-19 टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं: लैरेनलाकपाम अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), आदित्य (55 किग्रा), सिकंदर (60 किग्रा), मौसम सुहाग (65 किग्रा), प्रशांत (70 किग्रा), देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा), लोकेश (80 किग्रा), सागर (85 किग्रा), शुभम राजपूत (90 किग्रा) और लोवेन गुलिया (90+ किग्रा)।

हाल के कॉन्टिनेंटल और ग्लोबल इवेंट्स में अच्छे प्रदर्शन और कई वेट कैटेगरी में बढ़ती गहराई के साथ भारत इस चैंपियनशिप में उतर रहा है। चुने गए बॉक्सर्स नेशनल कैंप में ट्रेनिंग कर रहे हैं।

जहां टूर्नामेंट से पहले उनकी तैयारी तकनीकी सुधार, रणनीतिक अमल और फिजिकल कंडीशनिंग पर केंद्रित रही है।

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत पर लगा तीन साल का प्रतिबंध हटाया

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर श्रीसंत पर लगे तीन साल के प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2013 जीतने वाली भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे श्रीसंत के लिए यह अच्छी खबर है।

यह बैन तब लगाया गया था जब श्रीसंत ने कथित तौर पर विजुअल और सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसी बातें की थीं जिन्हें एसोसिएशन के लिए अपमानजनक माना गया था। उन्होंने इस फैसले को तिरुवनंतपुरम मुंसिफ कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद, श्रीसंत ने केसीए के खिलाफ कही गई अपनी बातों पर अफसोस जताते हुए बिना शर्त आधिकारिक तौर पर माफी मांग ली थी।

1 जुलाई, 2026 को हुई केसीए की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में, सदस्यों ने उनकी माफी पर विस्तृत चर्चा की। उनके बिना शर्त अफसोस जताने पर विचार करते हुए, जनरल बॉडी ने एकमत से उन पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। हालांकि, एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार दोहराने पर उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंध हटने के बाद, श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग (केसीएसल) के सीजन 3 में एरीज कोल्लम सेलर्स फ्रेंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर काम करते रहेंगे। केसीए ने पिछले केसीएल सीजन से पहले प्रतिबंध लगाया था। एस. श्रीसंत केरल से भारतीय टीम के लिए खेलने वाले बड़े क्रिकेटर रहे हैं। वह तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 2005 से 2011 के बीच श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे, और 10 टी20 खेले। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के नाम टेस्ट में 87, वनडे में 75, और टी20 में 7 विकेट दर्ज हैं। वनडे विश्व कप 2011 और टी20 विश्व कप 2007 का हिस्सा रहे श्रीसंत का करियर आईपीएल में फिक्सिंग के आरोपों की वजह से 2013 में समाप्त हो गया था।

फीफा विश्व कपः स्वीडन के बाहर होने के बाद कोच पॉटर ने कहा- 'फ्रांस से हारना कोई शर्म की बात नहीं'

विश्व केसरी ■

न्यू जर्सी। स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम फ्रांस से मिली हार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अपनी टीम के अभियान पर गर्व है। उन्होंने स्वीकार किया कि फ्रांस जैसी मजबूत टीम से हारना किसी भी तरह से शर्म की बात नहीं है।

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में स्वीडन ने फ्रांस के खिलाफ 4-4-2 फॉर्मेशन के साथ मैदान में उतरते हुए आत्मविश्वास भरी शुरुआत की। टीम ने आक्रामक रक्षात्मक खेल दिखाया, कई बार गेंद अपने कब्जे में ली और कुछ अच्छे आक्रमण भी किए। लेकिन किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों की बदौलत ले ब्लूज़ (फ्रांस) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वीडन को हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीडन के मुख्य कोच ग्राहम पॉटर ने कहा, 'मुझे अपने खिलाड़ियों से किसी भी तरह की शिकायत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि फ्रांस जैसी टीम से हारना शर्म की बात है। वे बेहतर टीम थे और उनके पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। हमारे लिए यह अभियान आगे बढ़ने की मजबूत नींव है और अब तक के प्रदर्शन पर हमें गर्व होना चाहिए।'

पॉटर ने अधिक आक्रामक फॉर्मेशन अपनाने के अपने फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि इससे हमें उन पर दबाव बनाने का बेहतर मौका मिलेगा। मैच की शुरुआत में हमारे पास कुछ अच्छे ट्रांजिशन मूव्स थे, लेकिन हम उनका पूरा फायदा नहीं उठा सके। अंत में विपक्षी टीम की गुणवत्ता अपनी जगह रहती है। इसलिए मैं फ्रांस को बधाई देता हूं, वे जीत के पूरी तरह हकदार थे।'

पॉटर ने फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे की भी जमकर तारीफ की। एम्बाप्पे ने इस मैच में दो गोल कर विश्व कप में अपने कुल गोलों की संख्या 18 तक पहुंचा दी, जो मिरोस्लाव क्लोज़े से दो अधिक और लियोनेल मेसी से सिर्फ एक कम है।

विंबलडनः यूगो हम्बर्ट को मात देकर दूसरे दौर में पहुंचे जिजू बर्ग्ज

विश्व केसरी ■

लंदन। जिजू बर्ग्ज ने 48 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार यूगो हम्बर्ट की चुनौती का सामना किया। इस बार यह मुकाबला विंबलडन के ऑल-इंग्लैंड क्लब में पुरुषों के सिंगल्स के पहले राउंड में हुआ, जिसमें उन्होंने रविवार को ईस्टबोर्न फाइनल में मिली अपनी जीत को दोहराया।

बर्ग्ज ने नंबर 27 सीड खिलाड़ी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। जब हम्बर्ट ने वापसी की कोशिश की, तो बर्ग्ज डटे रहे और मंगलवार को कोर्ट 17 पर 6-2, 7-5, 4-6, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। ??बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने रविवार को ईस्टबोर्न फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद हम्बर्ट को हराया था।

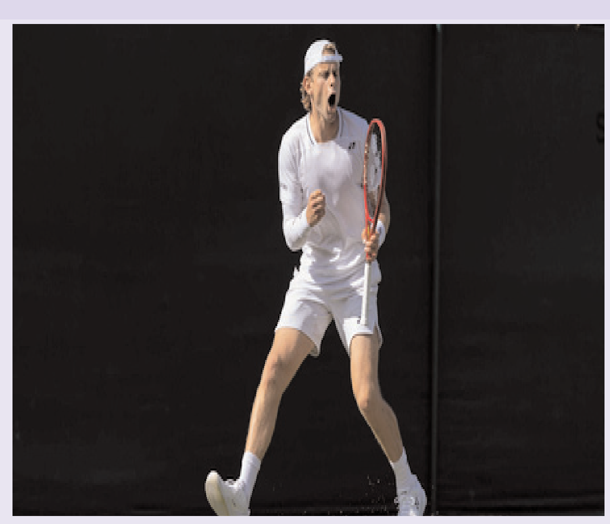

यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया के नंबर 37 खिलाड़ी बर्ग्ज ने ईस्टबोर्न में अपना अभियान तब शुरू किया था, जब वे टूर-लेवल पर लगातार छह मैच हार चुके थे। यह हार का सिलसिला अप्रैल के मध्य से चल रहा था।

उस खिताब को जीतने के बाद, अब वे लगातार छह मैच जीत चुके हैं। वे इस सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहेंगे जब वे पुर्तगाल के दुनिया के नंबर 98 क्वालीफायर जेमे फारिया के खिलाफ खेलेंगे।

मंगलवार को पहले राउंड के एक और मैच में, ओटो विर्टानेन ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए मंगलवार दोपहर 2026 विंबलडन का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने पांच सेटों वाले रोमांचक पहले राउंड के मैच में एक मैच प्वाइंट बचाते हुए चौथी सीड बेन शेल्टन को चौंका दिया।

पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 140 खिलाड़ी विर्टानेन ने कोर्ट नंबर 2 पर चार घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-7(8), 6-2, 7-6(11-9) से जीत हासिल की। ??फिनलैंड के इस खिलाड़ी ने 10-प्वाइंट वाले निर्णायक टाई-ब्रेक में 8/9 के स्कोर पर मैच प्वाइंट बचाया और फिर शेल्टन के फोरहैंड शॉट के बाहर जाने के बाद अपना पहला मैच प्वाइंट जीत लिया।

दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी शेल्टन के खिलाफ यह जीत पीआईएफ एटीपी रैंकिंग के हिसाब से विर्टानेन के करियर की सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले उन्होंने टॉप-20 के किसी खिलाड़ी को नहीं हराया था। कभी दुनिया के नंबर 91 खिलाड़ी रहे विर्टानेन ने पिछले हफ्ते रोहैम्पटन में क्वालीफाइंग राउंड पार करके विंबलडन के मेन ड्रॉ में दूसरी बार जगह बनाई थी। ऑल इंग्लैंड क्लब में दूसरे राउंड में 25 वर्षीय विर्टानेन का सामना वर्ल्ड नंबर 114 आर्थर फेरी से होगा। घरेलू खिलाड़ी ने इससे पहले दामिर जुमुर को 3-6, 6-2, 6-2, 6-1 से हराया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415